राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 12 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-46 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पीकर बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज

शाह बोले: आंख मारने वाले स्पीकर पर सवाल उठा रहे; विपक्ष ने माफी मांगो के नारे लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने वाला अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज हो गया। गृह मंत्री अमित शाह ने 56 मिनट तक प्रस्ताव पर सरकार की तरफ से जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शाह ने कहा कि 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों को बोलने के लिए भाजपा से दो गुना ज्यादा समय मिला। फिर भी विपक्ष के नेता कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। जब बोलने का मौका आता है तो वे जर्मनी में होते हैं, इंग्लैंड में होते हैं। शाह ने कहा- एक तो वे बोलना नहीं चाहते हैं। जब बोलना चाहते हैं तो नियम के अनुसार नहीं बोलना चाहते हैं। ये सदन नियम से चलेगा। स्पीकर को नियमों के उल्लघंन पर रोकने और टोकने का अधिकार है। ये सदन मेला नहीं है, जो नियम से नहीं चलेंगे, उसका माइक बंद ही होगा। गृह मंत्री ने आगे कहा- राहुल सदन में PM मोदी से आकर गले लग जाते हैं। आंख मारते हैं। फ्लाइंग किस देते हैं। मुझे तो बोलने में भी शर्म आती है। ये स्पीकर के आचरण पर सवाल करते हैं। अपने आचरण पर भी तो सवाल करिए। शाह के

जवाब के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया और 'अमित शाह माफी मांगो' के नारे लगाए। कितना बोलना है इसके लिए कुछ नियम बने हैं। 17वीं लोकसभा कांग्रेस को 157 घंटे 55 मिनट का समय दिया गया। जबकि उनके 52 सदस्य थे। कांग्रेस को भाजपा से 6 गुना ज्यादा समय दिया गया। जबकि भाजपा के पास 6 गुना ज्यादा सदस्य थे 18वीं लोकसभा में भी कांग्रेस को भाजपा से दो गुना समय मिला। नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता। मगर बोलने का मौका आता है तो जर्मनी में होते हैं इंग्लैंड में होते हैं। फिर शिकायत करते हैं। 18वीं लोकसभा में 157 घंटे 55 मिनट कांग्रेस के सदस्य बोले। मैं विपक्ष नेता से पूछना चाहता हूं कि आप तब क्यों नहीं बोले। किसने रोका था। वो तो आपका अधिकार है कि आपकी पार्टी से कौन बोलेगा। विपक्ष के नेता स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव पर भी कुछ नहीं बोलते। फिर प्रस्ताव लाते क्यों है। एक तो बोलना नहीं चाहते हैं। बोलना चाहते हैं तो नियम अनुसार नहीं बोलना चाहते। धारा 370 जैसी चचाओं से राहुल गायब रहे। SIR पर चर्चा थी। विपक्ष के नेता को बोला गया कि आप बोलिए। नहीं बोले। उन्होंने सदन डिस्टर्ब किया। उनको अचानक एक आइडिया आया कि मेरी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा हो। आपके परनाना से लेकर आपकी दादी से पिता जी तक, बड़े बड़े नेता के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर बहस नहीं हुई। 16वीं लोकसभा में राहुल गांधी ने 2014, 2015, 2017 और 2018 में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में भाग नहीं लिया। उन्होंने 16वीं लोकसभा में केंद्रीय बजट पर किसी भी चर्चा में भी हिस्सा नहीं लिया।

सीएम योगी बोलेः प्रदेश में नहीं पनपने देंगे अब दूसरा छांगुर

धर्मांतरण के मामलों पर निगाह रखे प्रशासन

लखनऊ (एजेंसी)। जिले में दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तेवर में नजर आए। उन्होंने मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय और पंडित अटल विहारी वाजपेई मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की समीक्षा किया। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही तल्ख शब्दों में कहाकि दूसरा छांगुर किसी कीमत पर न पनपने पाए। इसके लिए कड़ी निगरानी करें और प्रभावी कदम उठाएं। इसी के साथ जोड़ा की कानून से बढ़कर कोई नहीं है, माफियाओं पर नकेल कसे रखें। जिले में हिंदु युवतियों के धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर की गहरी पैठ होने की टीस मुख्यमंत्री की उभरकर सामने आई। उन्होंने साफ कहाकि ऐसी स्थिति पर गहरी नजर रखी जाए। अवैध कार्य पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। जिससे फिर कभी कोई छांगुर सिर न उठा सके। जिले में दुष्कर्म के मामलों के बढ़ने पर कड़ी चेतावनी दी। कहाकि कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए संगठित प्रयास हों।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव तैयार

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सांसदों ने दस्तखत किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए सांसदों के हस्ताक्षर जुटा लिए गए हैं और नोटिस गुरुवार या शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में दिया जा सकता है।बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस मुहिम पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे केचैंबर में हुई बैठक में सहमति बनी। बैठक में उपस्थित राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने टीएमसी के प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके तत्काल बाद बृहस्पतिवार को ही नोटिस देने केलिए जरूरी सांसदों के हस्ताक्षर कराए गए। योजना दोनों सदनों में नोटिस देने की है। गौरतलब है कि महाभियोग की प्रक्रिया के लिए लोकसभा में 100 और राज्यसभा में 50 सांसदों के हस्ताक्षर की जरूरत पड़ती है। सीईसी को हटाने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट के जजों को हटाने की तरह ही प्रक्रियाओं का पालन करना पड़ता

है। टीएमसी चाहती है कि अप्रैल-मई में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में एसआईआर को बड़ा मुद्दा बनाने केलिए इसी सत्र में महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा हो। प्रक्रिया शुरू करने और मुख्य रूप से चर्चा के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी है। अगर बृहस्पतिवार को नोटिस दिया गया तो इसी सत्र में प्रस्ताव पर चर्चा हो जाएगी। तैयार किए गए नोटिस में सीईसी पर सरकार के इशारे पर एसआईआर के बहाने जानबूझ कर उचित मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि उनकी पक्षपातपूर्ण कार्रवाई से लोकतंत्र की विश्वासनीयता पर खतरा उत्पन्न हो गया है।

'घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं'

पश्चिम एशिया संघर्ष पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

त्रिची (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन भारत की सरकार हर परिस्थिति में 'इंडिया फर्स्ट' की नीति पर काम करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है और केवल सही तथा सत्यापित जानकारी ही फैलानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मुझे विश्वास है कि एक राष्ट्र के रूप में हम हर स्थिति का सफलतापूर्वक सामना करेंगे।'पीएम मोदी रैली में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तिरुची साहस और आस्था की भूमि है और यहां आकर उन्हें

हमेशा विशेष अनुभव होता है। प्रधानमंत्री ने याद किया कि दो साल पहले भी उन्हें इस शहर में एक 'आध्यात्मिक अनुभव' हुआ था। उन्होंने कहा कि उन्हें तमिल लोगों से जुड़ने में हमेशा दिलचस्पी रहती है और वे तमिलनाडु की भावनाओं को साफ-साफ महसूस कर सकते हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की इच्छा तेजी से बढ़ रही है और जनता अब डीएमके सरकार को हटाने का मन बना चुकी है। उनके अनुसार लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके शासन में सत्ता एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। मंत्री और विधायक बदलते रहते हैं, लेकिन असली ताकत उसी परिवार के पास रहती है। उन्होंने डीएमके पर 'वैज्ञानिक भ्रष्टाचार मॉडल' चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि तमिलनाडु को एक परिवार का एटीएम बना दिया गया है। प्रधानमंत्री ने तिरुची जिले से जुड़े कथित 'कैश-फॉर-जॉब' घोटाले का भी जिक्र किया और कहा कि जब नौकरियां पैसे लेकर बेची जाती हैं तो गरीब और मध्यम वर्ग के युवाओं के सपने टूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाला भ्रष्टाचार अंत में एक ही परिवार तक पहुंच जाता है। इसके साथ ही उन्होंने अवैध रेत खनन को लेकर भी डीएमके सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इससे नदियों और पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। पीएम मोदी ने किसानों के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि कावेरी डेल्टा के किसान तमिलनाडु की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं और उन्हें उचित कीमत, बेहतर सुविधाएं तथा आधुनिक भंडारण ढांचा मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने अनाज के गोदाम बनाने का वादा किया था, लेकिन किसान आज भी उन गोदामों को ढूंढ रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि धान के एमएसपी में बड़ी बढ़ोतरी का वादा भी पूरा नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं का भी उल्लेख किया।

महाकुंभ की 'वायरल गर्ल' ने मुस्लिम बॉयफ्रेंड से की शादी

केरल पुलिस से मांगी सुरक्षा, पिता से बताया खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हुई मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर की रहने वाली मोनालिसा भोंसले ने केरल में अपने बॉयफ्रेंड फरमान खान से मंदिर में शादी कर ली। शादी से पहले बुधवार को दोनों तिरुवनंतपुरम के थंपानूर पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। यहां मोनालिसा ने पुलिस से सुरक्षा मांगी और कहा कि उनके पिता उन्हें जबरन घर वापस ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, मोनालिसा ने कहा कि वह बालिग हैं और अपनी मर्जी से फरमान के साथ रहना और उससे शादी करना चाहती हैं। डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने इसे लव जिहाद बताया। मोनालिसा इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुरद्ध की शूटिंग के सिलसिले में केरल आई हुई हैं। इसी दौरान फरमान खान से उनकी मुलाकात हुई। दोनों ने बताया कि फिल्म में साथ काम करने के दौरान बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे रिश्ता प्यार में बदल गया। फरमान खान ने कहा, हम दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे। वहीं हमारी बातचीत शुरू हुई।

डोनाल्ड ट्रम्प बोलेः ईरान के साथ जंग जल्द खत्म होगी

हमने सब तबाह कर दिया, वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद वहां हमला करने के लिए लगभग कुछ भी नहीं बचा है। अमेरिकी मीडिया एक्सिओस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान को उम्मीद से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। उनके मुताबिक कई अहम सैन्य और रणनीतिक ठिकाने तबाह कर दिए गए हैं। ट्रम्प ने कहा कि सैन्य अभियान तय समय से आगे चल रहा है। शुरूआती योजना छह हफ्तों की थी, लेकिन अमेरिका ने इससे पहले ही अपने कई लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने घोषणा की है कि उसके 32 सदस्य देश अपने आपातकालीन भंडार से 40 करोड़ बैरल कच्चा तेल बाजार में जारी करेंगे। यह एजेंसी के इतिहास में सबसे बड़ा तेल रिलीज होगा। IEA के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने बताया कि यह कदम युद्ध के कारण तेल बाजार में आई आपूर्ति बाधा को दूर करने के लिए उठाया गया है। एजेंसी के अनुसार 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। इस

रूट से कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात युद्ध से पहले के स्तर के 10% से भी कम रह गया है। IEA ने कहा कि आपातकालीन भंडार से तेल सदस्य देशों की परिस्थितियों के अनुसार चरणबद्ध तरीके से बाजार में उतारा जाएगा। 1974 में स्थापित क्च्अ के इतिहास में यह छठी बार है जब सदस्य देश मिलकर रणनीतिक भंडार से तेल जारी कर रहे हैं। इससे पहले 1991 के खाड़ी युद्ध, 2005 के हरिकेन कैटरीना, 2011 के लीबिया युद्ध और 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ऐसा कदम उठाया गया था। IEA के 32 सदस्य देशों में अमेरिका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और दक्षिण कोरिया जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। हालांकि भारत इस एजेंसी का सदस्य नहीं है, बल्कि वह 2017 से IEA का एसोसिएट देश है।

ईरान बोला: फुटबॉल वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगे

ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने कहा है कि देश की फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकती। उनका कहना है कि अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद ऐसी परिस्थितियों में टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। 2026 का फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में संयुक्त रूप से आयोजित होना है और ईरान के ग्रुप मैच भी अमेरिका में होने वाले हैं। दुन्यामाली ने कहा कि जिस शासन ने ईरान के नेता की हत्या की है, उसके बाद वहां होने वाले वर्ल्ड कप में भाग लेने की कोई स्थिति नहीं है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ईरान का फैसला अंतिम है या नहीं। फीफा के नियमों के अनुसार अगर कोई टीम टूर्नामेंट से हटती है तो उस पर जुमार्ना और भविष्य की प्रतियोगिताओं से प्रतिबंध जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

रायपुर में विंग कमांडर ने किया सुसाइड: एयरफोर्स में ही काम करती थी पत्नी

रायपुर (एजेंसी)। एयरफोर्स के विंग कमांडर ने सुसाइड कर लिया है। पुरैना स्थित विधायक कॉलोनी में विंग कमांडर की घर के अंदर फांसी पर लटकती लाश मिली है। पुलिस के मुताबिक, विपुल यादव (39) ने पुरैना विधायक कॉलोनी स्थित बंगला नंबर-79 में घर के कमरे में फांसी लगा ली। विपुल हरियाणा के रहने वाले थे और रायपुर में तैनात थे। छत्तीसगढ़ में एंटी नक्सल ऑपरेशन से जुड़े दायित्व भी संभाल रहे थे। 11 मार्च की सुबह घर में बेडरूम में उनका शव पंखे से लटका मिला। सबसे पहले घर की मेड ने देखा और पुलिस को सूचना दी। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। उस समय दूसरे कमरे में उनके दोनों बच्चे सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी काम के सिलसिले में दिल्ली गई हुई थीं। दोनों की 2014 में लव मैरिज हुई थी। पत्नी पहले एयरफोर्स में काम करती थीं और फिलहाल आईटी सेक्टर में कार्यरत हैं। शुरूआती तौर पर पत्नी से विवाद में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने विपुल का मोबाइल जब्त किया है, जिसकी जांच एफएसएल टीम कर रही है।

देशभर में एलपीजी की किल्लत, एजेंसी के बाहर लंबी लाइनें: यूपी-बिहार में पुलिस सुरक्षा में सिलेंडर बंट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लंबी लाइनें लगी हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक से होटलों और रेस्टोरेंट्स में खाना नहीं बन पा रहा है। वहीं, LPG सिलेंडर की किल्लत के चलते अयोध्या में राम रसोई को बंद कर दिया गया है। 8 साल में पहला मौका है जब राम रसोई बंद की गई है। इस बीच देश में रसोई गैस (LPG) की कमी की खबरों को सरकार ने फेक बताया।

जनता से शांत रहने की अपील की और LPG की कमी को लेकर झूठी खबरें न फैलाने को कहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि देश में एलपीजी की डिलीवरी साइकल अभी भी 2.5 दिन ही बना हुआ है। देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और लोग घबराकर 'पैनिक बुकिंग' न करें। सप्लाई चेन को दुरुस्त रखने के लिए घरेलू एलपीजी का उत्पादन 25% तक बढ़ा दिया गया है। कुछ जगहों पर गलत जानकारी की वजह से लोग पैनिक बुकिंग और जमाखोरी कर रहे हैं। ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है, सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। अब भारत का 70% कच्चा तेल उन रास्तों से आ रहा है जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बाहर हैं। पहले यह आंकड़ा 55% था। हमने खरीद में विविधता लाकर अपनी सप्लाई सुरक्षित कर ली है। गैस कंपनियों ने नए स्त्रोतों से एलएनजी (LNG) के कार्गो सुरक्षित किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक, दो बड़े एलएनजी जहाज अगले एक-दो

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार इच्छामृत्यु की इजाजत दी

13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

नई दिल्ली/ गाजियाबाद (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इच्छामृत्यु मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने 13 साल से कोमा में रह रहे 31 साल के युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) की मंजूरी दे दी। गाजियाबाद के रहने वाले हरीश लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर हैं। देश में इस तरह का यह पहला मामला है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एम्स (AIIMS) को निर्देश दिया कि हरीश के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाए। यह प्रोसेस इस तरह से की

जानी चाहिए कि मरीज की गरिमा बनी रहे। पैसिव यूथेनेशिया का मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरीश की मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा की इच्छामृत्यु देने की अपील पर सुनाया। फैसले पर पिता अशोक ने कहा- हम इसके लिए लंबे समय से लड़ रहे थे। कौन से माता-पिता अपने बेटे के लिए ऐसा चाहेंगे। पिछले 3 साल से हम यह मामला लड़ रहे थे। अब उसे एम्स ले जाया जाएगा। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में टॉपर हुआ करता था। दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते हैं और न ही महसूस कर सकते हैं। डॉक्टर्स ने हरीश को क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी से पीड़ित करार दिया। इसमें मरीज पूरी तरह से फीडिंग ट्यूब यानी खाने-पीने की नली और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है। इसमें रिकवरी की कोई गुंजाइश नहीं होती। 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से हरीश के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं। उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति हरीश के लिए बहुत दर्दनाक है। परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। जस्टिस पारदीवाला ने फैसला सुनाते वक्त अमेरिकी धर्मगुरु हेनरी वार्ड बीचर के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'ईश्वर मनुष्य से यह नहीं पूछते कि वह जीवन स्वीकार करता है या नहीं, उसे जीवन लेना ही पड़ता है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृतिः जिम्मेदारी किसकी?

(लेखिका- डॉ. प्रियंका सौरभ)

> संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है—क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे।

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है—जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग 'फूहड़' या 'अशोभनीय' मानता है।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है—जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है।

यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं।

कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है।

संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है—क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे।

इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता—यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है—आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे।

कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है।

इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है।

इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश (ष्ध्द्बह्वद्बह्ल4 द्दह्वद्बस्त्रद्गद्यद्बठ्ठद्गह्य) लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है।

अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा—चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन।

सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं। यदि क्रिएटर्स जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएँ और दर्शक विवेकपूर्ण तरीके से उसे चुनें, तो यही प्लेटफॉर्म संस्कृति के संरक्षण और रचनात्मक अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा मंच बन सकता है।

आखिरकार, संस्कृति किसी एक व्यक्ति, एक वीडियो या एक ट्रेंड से न तो बनती है और न ही खत्म होती है। यह समाज की सामूहिक चेतना और निर्णयों से आकार लेती है। इसलिए यह जिम्मेदारी हम सबकी है—क्रिएटर की भी, दर्शक की भी और समाज की भी।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

संपादकीय

मुफ्त जमीं, महंगा इलाज

कभी चिकित्सा के पेशे को भगवान के दूसरे रूप में मानवता की सेवा का पर्याय माना जाता था। लेकिन आज मुनाफे की चांदी बटोरने की होड़ वाले अग्रणी पेशों में चिकित्सा व्यवसाय की गिनती होने लगी है। धन बटोरने की अंधी हवस में मानवता के तार-तार होने की इस व्यवसाय से जुड़ी खबरें आये दिन सुर्खियां बटोरती रहती हैं। यूं तो आज पैसे की अंतहीन भूख उन तमाम पेशों में नजर आती है जो सेवा-परोपकार व मनुष्यता के कल्याण में अग्रदूत माने जाते रहे हैं। लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जो इंसानियत के रखवाले माने जाते रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पूछना पड़ा कि दिल्ली में जिन 51 अस्पतालों को रियायती जमीन दी गई थी और उन्होंने कुछ प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करने का वायदा किया था, वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीतिगत फैसला लिया था, जिसके अंतर्गत दिल्ली में गरीब लोगों के लिये निजी अस्पतालों में एक सीमा तक मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि अस्पताल निजी हों या सरकारी, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ही बने होते हैं। इसी के मद्देनजर कई निजी अस्पतालों के निर्माण हेतु रियायती दर पर सरकार भूखंड उपलब्ध कराती है। जिसके चलते निजी अस्पतालों के कुछ दायित्व भी होते हैं। जिसमें निर्धन मरीजों के उपचार हेतु निश्शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना होता है। यही वजह थी कि साल 2018 में भी, देश की शीर्ष अदालत ने रियायती जमीन हासिल करने वाले अस्पतालों को नसीहत दी थी कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरताने वालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने को कहा था। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चेताने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं दूसरी ओर इस बाबत निगरानी करने वाले सरकारी विभाग भी आंख मूंद कर बैठे रहते हैं इस गंभीर मुद्दे की बार-बार अनदेखी किए जाने से खिन्न देश की शीर्ष अदालत ने हाल ही में दिल्ली में रियायती दामों में प्लॉट लेने वाले 51 हॉस्पिटलों को नोटिस भेजकर अपना दायित्व न निभाने वालों को इसकी वजह बताने को कहा गया है। कोर्ट ने चेताया है कि अस्पताल के मालिकों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए! यह विडंबना है कि केंद्र व दिल्ली सरकार इस गंभीर मामले में उदासीन नजर आती हैं। विसंगति देखिए कि जिस दायित्व का निर्वहन सरकारों को करना चाहिए था, उस पर देश के सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। जो हमारे तंत्र की काहिली को ही उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले में इस बात का प्रावधान था कि रियायती कीमत पर जमीन पाने वाले अस्पतालों को आंतरिक रोगी विभाग में न्यूनतम दस प्रतिशत और ओपीडी में पच्चीस प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करना होगा। जिससे जुड़ी जवाबदेही पूरी करने को शीर्ष अदालत ने 2018 में भी चेताया था। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यही वजह है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने इन अस्पतालों को नोटिस भिजवाए हैं। साथ ही अवज्ञा करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इन निजी अस्पतालों में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके, पहली जवाबदेही सरकार की बनती है। यदि सरकार की नियामक एजेंसियां सख्ती दिखाती तो क्या मजाल थी कि निजी अस्पताल अपने वायदे से मुकर जाते।

भगवान ऋषभ देव जी का जीवन परिचय

(लेखक-संतोष जैन /ईएमएस)

जन्म चैत्र माह शुक्ल पक्ष नवमी (12 मार्च 2026) स्थान ऱ्शास्वत तीर्थ अयोध्या

जैन परंपरा में 24 तीर्थंकर हुए हैं जिनमे पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव और 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर हुए हैं । जैन धर्म आदि अनंत है फिर भी प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इसके प्रवर्तक माने जाते हैं । भगवान ऋषभदेव का जन्म तीसरे काल के अंत में जब भोग भूमि की व्यवस्था नष्ट हो चुकी थी और कर्म भूमि की रचना प्रारम्भ हो रही थी तब अयोध्या के अंतिम मनु कुलकर श्री नाभिराज जी के घर उनकी पत्नी मरुदेवी से चैत्र शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या में जन्म हुआ था । कल्पवृक्षों के नष्ट हो जाने के बाद बिना बोए धान से लोगों की आजीविका होती थी, परंतु कालचक्र से जब धान ही नष्ट हो गया,तब लोग भूख से पीड़ित होकर सभी राजा नाभिराज के पास पहुंचकर त्राहि त्राहि करने लगे। राजा नाभिराज प्रजा को अपने पुत्र ऋषभदेव जी के पास ले गए, लोगों ने अपनी करुण व्यथा उनके सामने प्रकट की , प्रजाजनों की व्यथा देखकर भगवान ऋषभदेव द्रवीभूत हो उठे और उन्होंने अवधी ज्ञान से विदेह क्षेत्र की व्यवस्था का स्मरण कर इस भारत क्षेत्र में वही व्यवस्था चालू करने का निश्चय किया। भगवान ऋषभदेव ने असि-तलवार (सुरक्षा)

मसि-लेखन कार्य,
कृषि- खेती
विद्या-संगीत नृत्यगान
शिल्प-वस्तुओं का निर्माण
वाणिज्य-व्यापार

इन 6 कार्यों का उपदेश दिया तथा जानता को समझाया की भोग भूमि थी जिसमे कल्पवृक्षों से भोगोप भोग की सामग्री मिलती थी, अब कर्मभूमि प्रारम्भ हो रही है , यह कर्म करने का युग है ।

कार्य किए बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है । असि , मासी, कृषि, विद्या,वाणिज्य और शिल्प ये 6 कर्म हैं इन कर्मों से आप लोग अपनी आजीविका चलायें। भगवान ऋषभदेव ने तीन वर्णों की स्थापना की, छत्रीय वैश्य और शुद्र

छत्रीय- भगवान ऋषभदेव ने बलवान लोगों को शास्त्र धारण करने की शिक्षा दी जो आतताइयों से निर्बल लोगों की रक्षा करें । इन लीगों को छत्रीय वर्ण की संज्ञा दी

वैश्य- भगवान ऋषभदेव ने विहार करते हुए लोगों को शिक्षा दी की जो लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जाकर तैयार वस्तुओं को पहुंचाएं उनको वैश्य वर्ण की संज्ञा दी

शुद्र - भगवान ऋषभदेव ने बताया कि यह कर्मयुग है, और कर्म बिना सहयोग के नहीं हो सकता है अतः उन्होंने पारस्परिक सहयोग करने वालों की आवश्यकता है, बहुत से लोगों ने इसे सेवावृत्ति के रूप में अपनाया, आदि ब्रह्मा ने इन्हें शुद्र की संज्ञा दी । इस तरह कर्म भूमि श्रष्टि के प्रारंभ में में आदि ब्रह्मा ने छत्रीय वैश्य और शुद्र वर्ण की स्थापना की ।

भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के मन में आया कि मैंने दिग्विजय के द्वारा बहुत साधन इकठ्ठा किया है और अन्य लोग भी अपनी शक्ति के अनुसार धन एकत्रित करते हैं आख़िर उसका त्याग कहाँ किया जाए ? उसका पात्र किसे बनाया जाये? इसी के साथ उन्होंने अनुभव किया की कुछ बुद्धिजीवी हों तो उनको तीनो वर्गों को सदा बौद्धिक सामग्री मिलती रहे, चक्रबर्ती भरत महाराज ने लोगों की बौद्धिक क्षमता की परीक्षा लेकर उन्हें ब्राह्मण वर्ग की संज्ञा दी ।

उस समय की सारी व्यवस्था भगवान ऋषभदेव ने की, यही आदि पुरुष, ब्रह्मा, विधाता आदि संज्ञाओं से अवतरित हुए ।

राजा नाभिराज के पुत्र ऋषभदेव ने महरानी यशस्वती और सुनंदा से विवाह किया तथा नाभिराज के महान आग्रह पर राज्य का भार स्वीकार किया, कालक्रम से महारानी यशस्वती से चक्रवर्ती भरत आदि 100 पुत्र तथा भ्रामनी नामक पुत्री हुई और रानी सुनंदा से बाहुबली पुत्र तथा सुंदरी नामक पुत्री उत्पन्न हुई । भगवान ऋषभदेव ने अपने पुत्र पुत्रियों को अनेक जनकल्याणी विद्याएँ पढ़ाई, जिसके द्वारा समस्त प्रजा में पठन पाठन की व्यवस्था प्रारम्भ हुई ।

कालक्रम से भगवान ऋषभदेव को वैराग्य हुआ और अपने बड़े पुत्र भरत चक्रवर्ती को स्वामित्व देकर दीक्षा धारण की । दीक्षा के बाद ऋषभदेव जी ने 6 माह का योग लिया था कि 6 माह बाद ही आहार ग्रहण करेंगे। 6 माह समाप्त होने के पश्चात ऋषभदेव जी आहारों को निकले , उस समय लोगों को मुनियों को आहार देने की विधि मालूम नहीं थी जिससे विधि ना मिलने के कारण 6 माह तक भ्रमण करते रहे और आहार नहीं लिया । ऋषभदेव जी अयोध्या से विहार करते हुए हस्तनापुर पहुँचे वहाँ के राजा सोमप्रभ एवम उनके छोटे भाई श्रेयांश थे, दोनों को भगवान को देखते हुए जाती स्मरण हुआ और उन्होंने भगवान ऋषभदेव को पढ़गाहन और इच्छू रस (गन्ने का रस) का आहार दिया । यह आहार का दिन अक्षय तृतीया के नाम से प्रसिद्ध हुआ । आहार लेने के बाद भगवान वन में चले गए ।

1000 वर्ष के तपश्चरण के बाद उन्हें दिव्य ज्ञान, केवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ और वह सर्वज्ञ हो गए । भगवान ऋषभदेव ने सर्वज्ञ ज्ञान से दिव्य ध्वनि के द्वारा संसार के प्राणियों को हित उपदेश दिए और उनका समस्त आर्यखण्ड में विहार हुआ ।

84 लाख पूर्व आयु के अंतिम समय में वे कैलाश पर्वत पर पहुँचे और वहीं से उन्होंने निर्वाण को प्राप्त किया ।

भगवान ऋषभदेव के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम से देश का नाम भारत रखा गया ।

भगवान ऋषभदेव और सम्राट चक्रवर्ती इतने प्रभावशाली पुण्य पुरुष हुए जिनका उल्लेख जैन ग्रंथों के अलावा जैनत्तर पुराणों उपनिषदों , भागवत, मार्कडेपुराण, अग्निपुराण, विष्णुपुराण आदि ग्रंथों में उल्लेख मिलता है ।

श्रीजी की महिमा अगम है,कोई न पावे पार ।
मैं मति अल्प अज्ञान हूँ,कौन करे विस्तार

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है।

द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्रियों को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग मंस झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है।

लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

विचार मंथन

जंग के चलते तेल- गैस आपूर्ति संकट पर घिरती सरकार

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले के बाद पैदा हुए जंग के हालात ने पूरी दुनियां को अपने आतिशि आगोश में लेना शुरु कर दिया है। सैन्य संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जिससे भारत भी अछूता नहीं है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते टकराव ने तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण उस समुद्री मार्ग पर बढ़ता जोखिम है, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। स्ट्रैट ऑफ हॉर्मोज वही मार्ग है जिससे एशिया के कई देशों, जिनमें भारत, चीन और जापान प्रमुख हैं, को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस पहुंचती है। इस मार्ग के बंद होने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी हलचल पैदा कर दी है। नौ मार्च की शाम को तेल और गैस के वैश्विक बाजारों में अचानक उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि युद्ध का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से भी गहराई से जुड़ गया है। भारत में इस स्थिति को लेकर चिंता के स्वर उठने लगे हैं। हालांकि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा है, कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनका कहना है कि भारत ने ऊर्जा आयात के कई वैकल्पिक स्रोत और रास्ते तैयार कर रखे हैं, जिससे आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है। सरकार का दावा है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सीएनजी और पीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जबकि उद्योगों को भी 70 से 80 प्रतिशत तक गैस उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गैस संकट के मद्देनजर सरकार ने एस्मा की भी घोषणा कर दी है। बावजूद इसके जमीनी स्तर पर तेल व गैस संकट साफ नजर आने लगा है। विभिन्न राज्यों के शहरों से आने वाली खबरें और सरकार के दावे पूरी तरह मेल नहीं खाती हैं। देश के कई शहरों में रेस्टोरेंट उद्योग ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में बाधा आने की शिकायतें हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर की उपलब्धता कम होने और बुकिंग नियमों में बदलाव की खबरें भी आम हैं। यही कारण है कि विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रहा है। मामला इसलिए भी राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है क्योंकि संसद का बजट सत्र जारी है। ऐसे में विपक्ष इस संकट को राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बनाना चाहता है और सरकार से स्पष्ट जवाब मांग रहा है। विपक्ष का कहना है कि ऊर्जा सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा करनी चाहिए और देश को यह बताना चाहिए कि संकट से निपटने के लिए क्या ठोस रणनीति तैयार की गई है।

मौजूदा स्थिति की गंभीरता का अंदाजा भारत के पड़ोसी देशों की हालत से भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन की कमी के चलते स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर सीमाएं तय कर दी गई हैं। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने बांग्लादेश को तेल आपूर्ति करने का आश्वासन दिया है। केंद्र सरकार का यह कदम एक ओर भारत की क्षेत्रीय भूमिका और क्षमता का संकेत देता है, लेकिन दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि यदि वैश्विक संकट और गहरा हुआ तो क्या भारत अपनी घरेलू मांग को पूरी तरह सुरक्षित रख पाएगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। इसलिए मध्य पूर्व में पैदा हुआ कोई भी संकट सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। यदि तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें तेजी से बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आम उपभोक्ता के बजट पर पड़ना तय है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार यह सवाल उठा रहे हैं कि भारत के पास तेल और गैस का रणनीतिक भंडार कितने दिनों के लिए पर्याप्त है। क्या सरकार के पास ऐसी ठोस योजना है जिससे लंबे समय तक आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके?

इस संदर्भ में कई लोग पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल की भी चर्चा कर रहे हैं। उनके शासनकाल में वैश्विक आर्थिक मंदी आई थी, लेकिन आर्थिक प्रबंधन और नीतिगत संतुलन के कारण भारत पर उसका प्रभाव न के बतौर भी नजर नहीं आया था। यही कारण है कि आज भी उस दौर को आर्थिक स्थिरता के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है। वर्तमान संकट भी कुछ वैसी ही दूरदर्शिता और संवाद की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आम जनता की जीवनशैली से जुड़ा मुद्दा है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष को भी भरोसे में लेकर एक पारदर्शी रणनीति प्रस्तुत करे। मध्य पूर्व की जंग कब तक चलेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन है। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि संकट लंबा खिंचता है तो उसके प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रह पाएगा। इसलिए समय की मांग यही है कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर ऊर्जा सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बनाई जाए। यदि वास्तविक चुनौतियों को नजरअंदाज कर केवल आश्वासन दिए जाते रहे, तो हालात बिगड़ने में देर नहीं लगेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप के शुल्क आदेश के रद्द होने पर भारतीय चमड़ा कारोबार में फिर बढ़ी अनिश्चितता

नई दिल्ली । करीब एक माह पहले कारोबार करार पर अमेरिका के साथ भारत के संयुक्त बयान से कोलकाता के चमड़ा उद्योग (लेदर हब) पर दबाव कुछ हद तक कम हुआ था। कारोबारी समझौते के तहत भारतीय उत्पादों के निर्यात पर अमेरिका में शुल्क 50 से कमकर 18 फीसदी करने की बात कही थी। शुल्क घटने से भारतीय चमड़ा उत्पाद दुनिया के बड़े उपभोक्ता बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में आए और नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद बढ़ी है। मगर अमेरिकी अदालत द्वारा ट्रंप प्रशासन के शुल्क आदेश को रद्द करने के बाद फिर से अनिश्चितता बढ़ी है। पूर्वी कोलकाता के बाहरी इलाके में मौजूद बांतला में क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट के कारखाने में इसके संकेत भी दिखाई देने लगे है। उत्पादन लाइन अमेरिकी बाजार के लिए हैंडबैग बनाने में व्यस्त हैं, जिनकी आपूर्ति करीब दो माह में होने वाली है। कुछ तैयार माल पहले से ही कार्टन में पैक हैं और वे अमेरिका भेजने के लिए तैयार हैं। इस बीच पश्चिम एशिया के संकट ने एक नई अनिश्चितता खड़ी की है। पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहे चमड़ा निर्यातकों के लिए अब नई चुनौती आ गई है। क्रिसेंट के कारखाने में ह्यूगो बॉस के वैश्विक बाजारों के लिए हैंडबैग और वॉलेट बनाते हैं। क्रिसेंट एक्सपोर्ट सिंडिकेट से जुड़े अधिकारी ने कहा, अमेरिका जाने वाली खेप रोकी गई थी क्योंकि ऊंचे शुल्क ने यहां से निर्यात को अव्यावहारिक बनाया था। इसलिए कंपनी ने खेपों को यूरोप के गोदामों में भेज दिया, जहां से उन्हें अमेरिका भेजा जा सकता था।' उन्होंने कहा कि अब अमेरिका, कनाडा और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर आ रहे हैं। कंपनी से जुड़े अधिकारी ने कहा, 'उत्पादन जारी है और करीब दो माह में तैयार होना चाहिए। इस बीच हें उम्मीद है कि शुल्क पर स्पष्टता होगी।' अदालत द्वारा शुल्क आदेश रद्द करने के बाद व्हाइट हाउस ने 10 फीसदी का अधिभार लगाया और बाद में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क 15 फीसदी होगा। एक अन्य कंपनी के अधिकारी ने कहा, 'इसकी ज्यादा संभावना है कि शुल्क 15 फीसदी होने वाला है। शुल्क से पहले कंपनी का करीब 30 फीसदी कारोबार अमेरिका से आता था। शुल्क पर अंतिम निर्णय का इंतजार है और अमेरिकी खरीदारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि हाल तक चीजें ठप थीं मगर अब लोग बात करने के लिए तैयार हैं।

एयर इंडिया घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

यह शुल्क 12 मार्च से लागू होगा, समय-समय पर अधिभार की समीक्षा भी होगी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ताजा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से एयर इंडिया ने मंगलवार को अपने घरेलू और कुछ अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर ईंधन अधिभार लागू करने का ऐलान कर दिया है। यह शुल्क चरणबद्ध तरीके से 12 मार्च से शुरू होगा। एयरलाइन ने बताया कि एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इस समय तेज बढ़ोतरी हुई है, जो एयरलाइन संचालन की लागत का करीब 40 फीसदी हिस्सा है।मीडिया रिपोर्ट में एयर इंडिया के मुताबिक मार्च की शुरुआत से एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी में आपूर्ति में व्यवधान प्रमुख कारण है। इसके अलावा दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख महानगरों में एटीएफ पर उच्च उत्पाद शुल्क और वैट लागू होने के कारण कुल ऑपरेटिंग लागत में और वृद्धि हो रही है। एयरलाइन ने बताया कि पहले चरण में, 12 मार्च से की जाने वाली नई बुकिंगों पर शुल्क लागू होगा। इसके तहत घरेलू उड़ानों और दक्षिण एशियाई देशों जैसे नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की उड़ानों पर 399 रुपए का ईंधन अधिभार लगेगा। ये मार्ग पहले किसी भी ईंधन शुल्क के दायरे में नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व की उड़ानों पर अब 10 डॉलर का नया ईंधन शुल्क लागू होगा। इन मार्गों पर पहले कोई अधिभार नहीं लगता था। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए यह शुल्क 40 डॉलर से बढ़ाकर 60 डॉलर किया जाएगा, जबकि अफ्रीका की उड़ानों पर 60 डॉलर से बढ़ाकर 90 डॉलर का अधिभार लगेगा। एयरलाइन ने कहा कि दूसरे चरण में जो 18 मार्च से शुरू होगा, लंबी दूरी की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार बढ़ाया जाएगा। यूरोप के लिए शुल्क 100 डॉलर से बढ़ाकर 125 डॉलर किया जाएगा। वहीं, उत्तर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की उड़ानों के लिए 150 से बढ़ाकर 200 डॉलर का ईंधन अधिभार लागू होगा। एयरलाइन ने बताया कि हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे फार ईस्ट मार्केट्स को कवर करने वाली तीसरी चरण की जानकारी बाद में दी जाएगी।एयर इंडिया ने साफ किया है कि जो टिकट संबंधित तारीखों से पहले जारी किए गए हैं, उन पर संशोधित अधिभार लागू नहीं होगा। हालांकि यदि यात्री अपनी यात्रा की तारीख या यात्रा योजना में बदलाव करते हैं और इसके कारण किराया पुनर्गणना होती है, तो नए अधिभार लागू होंगे।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर फिर भी अडानी के शेयर भर रहे उड़ान

अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा 17फीसदी का उछाल आया

नई दिल्ली।

शेयर मार्केट में इस समय गिरावट चल रही है। सेंसेक्स 1000 से ज्यादा अंकों का गोता लगा चुका है और निफ्टी 24000 के नीचे है। इसके बावजूद अडानी ग्रुप का एक शेयर उछाल मार रहा है। दरअसल ईरान-इजराइल युद्ध के बीच गैस सप्लाई में आई रुकावट के कारण भारतीय शेयर मार्केट में गैस से जुड़े कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। अडानी टोटल गैस के शेयर में सबसे ज्यादा करीब 17फीसदी का उछाल आया और यह 560.30 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

गुजरात गैस के शेयर में भी करीब 12फीसदी की तेजी रही और यह 420 रुपए के स्तर पर कारोबार किया। पेट्रोनेट एलएनजी, गेल इंडिया, इंद्रप्रस्थ गैस और महानगर गैस समेत अन्य गैस कंपनियों के शेयरों में भी 2फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। ईरान और इजराइल-अमेरिका गठबंधन के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर भारत के एनर्जी मार्केट पर पड़ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले गैस शिपमेंट बाधित हो गए हैं, जिससे सप्लाई पर दबाव बना है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा परिवहन मार्गों में से एक है, लेकिन बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के कारण टैंकरों की आवाजाही प्रभावित हुई है। भारत अपनी घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर काफी हद तक निर्भर है। कई वैश्विक सप्लाईकर्ताओं ने इस बाधा के कारण गैस शिपमेंट पर फोर्स मेजर जारी कर दिया है।भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1फीसदी से

ज्यादा की गिरावट दर्ज की। तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव जारी है। हालांकि, ग्लोबल मार्केट में मजबूती देखी गई। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा कच्चे तेल के रिजर्व में बड़े पैमाने पर रिलीज के प्रस्ताव की खबर के बाद एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 1.8फीसदी की बढ़त रही। ब्रेंट क्रूड में बुधवार को करीब 1फीसदी की गिरावट आई, जबकि पिछले सत्र में इसमें 11फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुम्बई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 11 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.07 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 91.96 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी आने और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक सफलता से मिली राहत के कारण रुपया उच्च स्तर पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला, फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।वहीं मंगलवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 91.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

ओला इलेक्ट्रिक का 'चैंपियन महोत्सव.....इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक पर 10 हजार की छूट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है और इस खुशी में कई कंपनियां भी अपने ग्राहकों को शानदार ऑफर दे रही हैं। इसी क्रम में ओला इलेक्ट्रिक ने 'चैंपियन महोत्सव' नाम से एक सीमित अवधि का अभियान शुरु कर दिया है। इस विशेष ऑफर के तहत ग्राहकों को कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक खरीदने पर आकर्षक लाभ मिल रहा है। कंपनी के अनुसार यह ऑफर केवल तीन दिनों के लिए उपलब्ध रहेगा। इस दौरान ग्राहक कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मॉडल्स पर अधिकतम 10,000 रुपये तक का फायदा पा सकते हैं। यह ऑफर पूरे देश में लागू किया गया है और कंपनी की स्कूटर तथा बाइक दोनों रेंज पर उपलब्ध है। कंपनी का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य क्रिकेट में मिली बड़ी जीत का जश्न ग्राहकों के साथ साझा करना और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है। विशेष ऑफर में कंपनी के कई लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। इसमें ओला एस1 प्रो, ओला एस1प्लस, ओला एस1एक्स, ओला एस1एक्स प्लस और ओला रोड स्टार जैसे मॉडल शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी की जेन3 एस1 स्कूटर रेंज और रोडस्टर इलेक्ट्रिक बाइक सीरीज पर ऑफर लागू किया है। इन मॉडलों को उनके आधुनिक डिजाइन, तकनीक और बेहतर रेंज के कारण ग्राहकों के बीच अच्छी लोकप्रियता मिली है।कंपनी के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की शुरुआती कीमत करीब 77,999 से शुरू होकर करीब 1.14 लाख तक जाती है। ग्राहकों को इनमें अलग-अलग बैटरी विकल्प भी दिए जाते हैं, जिसमें 2 किलोवॉट प्रतिघंटा , 3 किलोवॉटप्रति घंटा, 4 किलोवॉट प्रतिघंटा और 5.2किलोवॉटप्रतिघंटा क्षमता वाले विकल्प शामिल हैं। इससे ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1313, निफ्टी 394 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में छाये संशय के कारण आई हैं। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के साथ ही निवेशको के बाजार से दूर होने से भी बिकवाली हावी हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1313 अंकों की गिरावट के साथ ही अंत में सेंसेक्स 1342.2776,863.71 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी करीब 394.75 अंक फिसलकर 23,866.85 के स्तर पर बंद हुआ। इससे निवेशकों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए डूब गये। आज कारोबार के दौरान ही सेंसेक्स में महिन्द्र एंड महिन्द्रा , बजाज फाइनेंस , भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 2 से 4 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अडानी पोर्ट और एनटीपीसी व सन फार्मा के शेयरों में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑटो और बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो इंडेक्स सबसे ज्यादा करीब 2 फीसदी टूटा। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भी करीब 1.8 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावस फार्मा सेक्टर में हल्की तेजी रही।बाजार जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण निवेशक बाजार से दूरी बना रहे हैं जिससे बिकवाली हावी है।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 78,238 अंक पर खुला। सुबह ये 177.85 अंक फिसलकर 78,028.13 पर था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी सुबह 52.20 अंक की गिरावट के साथ 24,209 पर कामकाज करता दिखा। वहीं कच्चे तेल की कीमतें

कम होने से दुनिया भर के बाजार ऊपर आये हैं जिसका लाभ भी भारतीय बाजार को मिला। तेल की कीमतें कम होने से महंगाई बढ़ने और आर्थिक विकास प्रभावित होने की संभावनाएं भी कम हुई हैं।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 3.24 फीसदी और जापान का निक्केई 225 1.98 फीसदी की बढ़त के साथ कामकाज कर रहे थे। एशियाई सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार में बढ़त रही। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़त पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार के फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। एस एंड पी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत के फ्यूचर्स 0.45 फीसदी और 0.42 फीसदी बढ़े। वहीं, इससे पहले रात में अमेरिका के ज्यादातर शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। दिन के अंत में एस एंड पी 500 0.21 फीसदी और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 88 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में तेजी, केडिया ने लगा रखा है बड़ा दांव

कंपनी के शेयर बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे

नई दिल्ली।

ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी रही। ओम इंफ्रा के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 90.27 रुपए पर पहुंचे। घरेलू शेयर बाजार में भूचाल के बीच ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयरों में यह तेजी देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को इंट्राडे के दौरान 1000 अंक से ज्यादा टूटा। दिग्गज निवेशक विजय केडिया का ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव है। पिछले पांच साल में ओम इंफ्रा के शेयरों में 260 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

विजय केडिया ने ओम इंफ्रा लिमिटेड पर बड़ा दांव लगा रखा है। केडिया के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 2400000 शेयर हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी में केडिया की हिस्सेदारी 2.49 फीसदी है। केडिया ने क्वांट म्यूचुअल फंड का भी ओम इंफ्रा लिमिटेड पर दांव है। क्वांट म्यूचुअल फंड के पास ओम इंफ्रा लिमिटेड के 39,12,619 शेयर हैं। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 260 फीसदी से ज्यादा उछल गए हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर 12 मार्च 2021 को 24.65 रुपए पर थे। ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 11 मार्च 2026 को 90.27 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। तीन साल में ओम इंफ्रा लिमिटेड के शेयर 145 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 146.50 रुपए है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 71.72 रुपए है। ओम इंफ्रा लिमिटेड का मार्केट कैप बुधवार को 851 करोड़ रुपए के पार हो गया।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। घरेलू बाजार में सोना 1,62,850 रुपये , जबकि चांदी 2,76,350 रुपये के करीब है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भी कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध 1,54 रुपये की फिसलकर 1,63,149 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,63,303 रुपये पर रहा था। ये 1,63,849 रुपये के उच्च और 1,62,840 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 862 रुपये टूटकर 2,76,988 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,77,850 रुपये रहा था। एक समय यह अनुबंध 1,504 रुपये नीचे आकर 2,76,346 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 2,76,999 रुपये के उच्च और 2,75,930 रुपये के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी आई। कॉमेक्स पर सोना 5,194 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 5,242.10 डॉलर प्रति औंस था।

महंगाई भत्ता का इंतजार कर रहे कर्मचारी, सरकार कब करेगी डीए देने का ऐलान

नई दिल्ली।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इस समय जिस घोषणा का सबसे ज्यादा इंतजार है, वह है जनवरी जून 2026 के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी। आमतौर पर सरकार साल में दो बार डीए बढ़ाती है एक बार होली के आसपास और दूसरी बार दिवाली से पहले। इस बार होली बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई घोषणा नहीं हुई है। कर्मचारियों के बीच चर्चा है कि आखिर सरकार कब डीए का ऐलान करेगी। फिलहाल केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। हाल के महंगाई के आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि जनवरी 2026 से डीए में करीब 2 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो डीए बढ़कर करीब 60 फीसदी तक पहुंच जाएगा। यह अनुमान जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 तक के 12 महीने के औसत ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स - इंडस्ट्रियल वर्कर्स के आधार पर लगाया गया है, जो करीब 145.54 रहा है। इस गणना के मुताबिक डीए करीब 60.33 फीसदी बनता है, जिसे आमतौर पर 60 फीसदी पर राउंड ऑफ किया जाता है। इसी बीच एक और चर्चा तेजी से चल रही है कि क्या सरकार मौजूदा डीए को बेसिक सैलरी में मर्ज करने जा रही है। कई कर्मचारी संगठनों की मांग है कि जब डीए 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है, तो इसे बेसिक पे में जोड़ दिया जाना चाहिए, लेकिन सरकार का रुख इस मुद्दे पर फिलहाल साफ है।

दिसंबर 2025 में संसद में दिए गए लिखित जवाब में सरकार ने कहा था कि डीए को बेसिक वेतन में मिलाने का कोई प्रस्ताव फिलहाल विचाराधीन नहीं है।बता दें 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो चुका है और अब 8वां वेतन आयोग अपना काम शुरू कर चुका है, लेकिन इसकी सिफारिशों को लागू होने में अभी काफी समय लग सकता है।

आमतौर पर किसी भी वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने में करीब 18 महीने लगते हैं, जबकि उसके बाद समीक्षा, कैबिनेट मंजूरी और लागू करने की प्रक्रिया में करीब 6 महीने का समय और लगता है। ऐसे में माना जा रहा है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 2027 के अंत से पहले लागू होना मुश्किल है। फिलहाल कर्मचारियों की नजर सरकार की अगली डीए घोषणा पर टिकी हैं।

ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका ने किया 300 अरब डॉलर की डील का ऐलान

यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा, हजारों नौकरियां होंगी पैदा

नई दिल्ली।

मीडिल ईस्ट में युद्ध के माहौल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 300 अरब डॉलर की मेगा डील का ऐलान किया है, जिसमें भारत की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज साझेदार के रूप में शामिल होगी। यह निवेश टेक्सास में बनने वाली एक विशाल ऑयल रिफाइनरी परियोजना से जुड़ा है। ट्रंप ने इसे ऐतिहासिक डील बताते हुए कहा कि यह निवेश अमेरिकी ऊर्जा ढांचे को मजबूत करेगा और हजारों नई नौकरियां पैदा करेगा।

ट्रंप ने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिका फर्स्ट रिफिनिंग द्वारा टेक्सास के ब्राउनस्विल बंदरगाह पर लगाई जाएगी। उनका कहना है कि यह पिछले करीब 50 सालों में अमेरिका में बनने वाली पहली नई ऑयल रिफाइनरी हो सकती है। यह परियोजना देश की रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। हालांकि फिलहाल इस निवेश की फंडिंग और वित्तीय संरचना को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ट्रंप ने भारत के साझेदारों और खास तौर पर मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का उल्लेख करते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत की इस प्रमुख ऊर्जा कंपनी का सहयोग इस परियोजना को आगे बढ़ाने में अहम रहेगा। ट्रंप ने कहा कि उनकी ÷अमेरिका फर्स्ट÷ नीति, परमिट प्रक्रिया को सरल बनाने और टैक्स में कमी जैसे कदमों के कारण देश में बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक आपूर्ति में संभावित बाधाओं के कारण तेल बाजार में चिंता बनी हुई है। अमेरिकी प्रशासन ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। हालांकि इस नए प्रस्ताव को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज या अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका में पिछले डेढ़ दशक में शेल क्रांति के कारण तेल उत्पादन तेजी से बढ़ा है, लेकिन रिफाइनिंग क्षमता उसी अनुपात में नहीं बढ़ पाई। नई रिफाइनरी स्थापित करना महंगा होने के साथ-साथ जटिल परमिट प्रक्रिया और पर्यावरणीय विरोध के कारण चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

एलपीजी की कमी के चलते होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर उछले

-देशभर में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में आई तेजी

मुंबई।

मध्य पूर्व में तनाव के चलते एलपीजी की कमी के बाद देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हे की मांग में तेजी देखी जा रही है और इससे बुधवार को होम अप्लायंसेज बनाने वाली कंपनियों के शेयर में तेजी देखी गई। बटरफ्लाई गांधीमथी अप्लायंसेज के शेयर इंट्राडे में दोपहर 12:45 पर 7.93 फीसदी की तेजी के साथ 651 रुपए पर था। दिन में शेयर ने 660 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। टीटीके प्रेस्टीज का शेयर 9.40 फीसदी की तेजी के साथ 530 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में इसने 556 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। पिजन नाम में प्रोडक्ट्स बेचने वाली कंपनी स्टोव क्राफ्ट का शेयर 5.05 फीसदी की तेजी के साथ 510 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में शेयर ने 525 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि एलपीजी संकट के देखते हुए शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे।

सीईईडब्ल्यू के फेलो अभिषेक कार ने कहा कि भारत अपनी एलपीजी का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 90 फीसदी से अधिक पश्चिम एशियाई देशों जैसे यूएई, कतर और सऊदी अरब से आता है। उन्होंने सुझाव दिया, घरेलू खाना पकाने के लिए एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देने की जरुरत वस्तु अधिनियम लागू करना पहला, लेकिन एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार को अब एलपीजी सब्सिडी के लिए चलाए गए गिव इट अप अभियान की तर्ज पर एलपीजी उपयोग पर एक नया गिव इट अप अभियान शुरू करना चाहिए, जो उन परिवारों को टारगेट करे जिनके पास इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव हैं या जो इसे वहन कर सकते हैं। इससे घरेलू एलपीजी की मांग पर दबाव कम होगा।उन्होंने कहा कि शहरी परिवारों को इलेक्ट्रिक इंडक्शन स्टोव से खाना पकाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने अपने सदस्यों से एलपीजी की खपत कम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे मेनू पर ध्यान केंद्रित करें जिनमें कम गैस की खपत हो या खाना पकाने में कम समय लगे।

अमेरिका टेक्सास के ब्राउन्सविल में नए तेल रिफाइनरी खुलेगी, 50 सालों में पहली होगी

ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया, रिलायंस को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास के ब्राउन्सविल में एक नए तेल रिफाइनरी प्रोजेक्ट की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका में पिछले 50 सालों में बनने वाली पहली नई तेल रिफाइनरी होगी। ट्रंप ने इसे 300 अरब डॉलर के समझौते का हिस्सा बताया और इस निवेश के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज को धन्यवाद दिया। ट्रंप ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा की। उन्होंने कहा कि यह रिफाइनरी अमेरिकी ऊर्जा बाजार को मजबूत करेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह प्रोजेक्ट अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिर से ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। आज मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' टेक्सास के ब्राउन्सविल में अमेरिका की पहली नई तेल रिफाइनरी खुल रही है, जो 50 सालों में पहली है। यह 300 अरब डॉलर का ऐतिहासिक समझौता है और अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा सौदा है। इससे अमेरिकी कामगारों, ऊर्जा क्षेत्र और दक्षिण टेक्सास के लोगों को बड़ा फायदा होगा। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। यह संघर्ष अब ईरान से आगे बढ़कर अन्य क्षेत्रों तक फैल गया है। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों, दूतावासों और खाड़ी देशों में ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे देश शामिल हैं। इस संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप पर लगी गंभीर की नजरें

-आईपीएल के बाद शुरु होंगी तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब गंभीर की नजरें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर लगी हैं। इसको जीतने के लिए गंभीर ने योजना बनाना भी शुरु कर दिया है। गंभीर एक ऐसे कोच माने जाते हैं जो भविष्य को देखते हुए योजनाएं बनाते हैं। उनका कहना है कि आईपीएल 2026 के अंत तक एकदिवीसय विश्व कप 2027 के लिए कार्य योजना तैयार हो जाएगी। गंभीर ने कहा कि टीम प्रबंधन कुछ दिन के आराम के बाद फिर से अगले आईसीसी टूर्नामेंट के लिए योजना पर अमल करना शुरु करेगा।

गौरतलब है कि एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। गंभीर जानते हैं कि वहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलना आसान नहीं होता है। इसी को देखते हुए गंभीर ने कहा कि आईपीएल 2026 के तत्काल बाद टीम इस टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो जाएगी। वहीं मई के अंत तक खिलाड़ियों का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को उसके पहले 25 से 30 एकदिवसीय खेलने हैं जिसमें उसे अभ्यास का पर्याप्त अवसर मिल जाएगा। गंभीर ने कहा, 2027 विश्व कप की योजना आईपीएल के बाद शुरू होगी। आईपीएल 2026 और विश्व कप के बीच लगभग 25 से 30 वनडे मैच होने हैं। आजकल एकदिवसीय प्रारुप बहुत ज्यादा नहीं खेला जाता है। हम जितनी जल्दी इसकी योजना बनाना शुरू करेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा।

कोच ने आगे कहा, हमें मालूम है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट खेलने के लिए आसान जगह नहीं है। हमें वहाँ के हालातों के हिसाब से सही संयोजन तलाशने होंगे और उन खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह काम चयनकर्ता और कोचिंग स्टाफ करेंगे।'

ट्रंप विश्व कप 2026 में ईरानी टीम का स्वागत करेंगे : FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो

नई दिल्ली (एजेंसी)। FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से मिले जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान का 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है जिसे 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा मिलकर होस्ट करेंगे।

ईरान को अमेरिका में तीन मैच खेलने हैं लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय युद्ध के बीच उनके हिस्सा लेने पर शक है। ईरान, जो ग्रुप त में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ है, 15 जून को सिएटल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा और आगे के ग्रुप गेम लॉस एंजिल्स और अटलांटा में होंगे।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने और ट्रंप ने आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस पर चर्चा की और ईरान के मौजूदा हालात के बारे में भी बात की। इन्फेंटिनो ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस और 93 दिनों में शुरू होने वाले बढ़ते उत्साह पर चर्चा करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स के प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिला।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने ईरान के मौजूदा हालात और इस बात पर भी बात की कि ईरानी टीम ने FIFA वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए क्वालिफाई कर लिया है। बातचीत के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोहराया कि ईरानी टीम का बेशक यूनाइटेड स्टेट्स में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए स्वागत है।' ईरान ने पिछले साल एशियन क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में ग्रुप A में टॉप करके लगातार चौथे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था।

पिछले हफ्ते पोलिटिको के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे सच में कोई फ़र्क नहीं पड़ता, अगर ईरान हिस्सा लेता है,' और कहा कि 'मुझे लगता है कि ईरान बहुत बुरी तरह से हारा हुआ देश है। वे बेकार में जी रहे हैं।' मिलिट्री एक्शन शुरू होने के बाद ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कथित तौर पर कहा है कि यह तो तय है कि इन हमलों के बाद वर्ल्ड कप की तरफ उम्मीद से देखना मुश्किल है।'

गुजरात टाइटन्स ने पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज को बनाया असिस्टेंट कोच

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन से पहले भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को असिस्टेंट कोच बनाने की आज घोषणा की, जिससे फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और मजबूत होगा। भारतीय क्रिकेट में एक सम्मानित व्यक्ति, दहिया ने 19 वनडे और दो टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व किया और कोचिंग में आने से पहले दिल्ली के साथ एक सफल घरेलू करियर का आनंद लिया।

बाद में उन्होंने 2007-08 सीजन में दिल्ली को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाया और तब से घरेलू और आईपीएल टीमों में एक मजबूत कोचिंग पोटफोलियो बनाया है। उनकी नियुक्ति हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बैटिंग कोच के रूप में शामिल करने के बाद हुई है, जिससे आने वाले आईपीएल सीजन से पहले टाइटन्स के कोचिंग ग्रुप को और मजबूती मिली है।

2022 में डेब्यू करने के बाद से गुजरात टाइटन्स आईपीएल की सबसे लगातार अच्छा खेलने वाली टीमों में से एक बनकर उभरी है। वे अपने पहले चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ़ में पहुँची हैं और अपने पहले सीजन में ही टाइटल जीता है। एक मज़बूत कोचिंग स्ट्रक्चर के साथ, पूर्व चैंपियन अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे क्योंकि आईपीएल 2026 की तैयारियाँ ज़ोर पकड़ रही हैं।

सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनोखा रिकार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त

सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरूआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये।

सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे

पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

हरभजन ने कीर्ती आजाद को दिया करारा जवाब, खेल को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विश्वकप ट्रॉफी को धार्मिक विवाद में घसीटने के लिए टीएमसी सांसद कीर्ती आजाद की कड़ी आलोचना की है। पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की विश्वकप जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के स्टेडियम के पास में बने हनुमान मंदिर में ट्रॉफी लेकर जाने पर सवाल उठाये थे। पूर्व क्रिकेटर रहे आजाद ने कहा था कि ट्रॉफी को किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, उसे अन्य धर्मस्थलों पर क्यों लेकर नहीं गये। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि इस प्रकार की विवादास्पद बातों की उन्हें आजाद जैसे पूर्व क्रिकेटर से उम्मीद नहीं थी। साथ कहा कि वे खेल को राजनीति में घसीटने का प्रयास न करें। हरभजन ने कहा, यह अजीब है कि आजाद इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, जो समझ से परे है। भारतीय टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है, तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन ने कहा है कि उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत ने विश्व कप जीता है।

उन्होंने कहा, साथी क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। इससे लगता है कि आजाद शायद खेल से ज्यादा राजनीति को पसंद कर रहे हैं। यह और भी बुरा है कि वह एक खिलाड़ी होते हुए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। देश ने विश्व कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ पर तुम राजनीति करने में व्यस्त हो।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा। वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

इंडियन वेल्स : रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की।

सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा

कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अद्भुत रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं।'

इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरुआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरूआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए।

जब सिनर दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गए तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से मैच खत्म कर देंगे, लेकिन 19 वर्षीय ब्राजीलियाई ने जोरदार वापसी की, इटालियन की सर्विस तोड़ दी और मजबूत अंकों के साथ एक और टाई-ब्रेक को मजबूर कर दिया, जिससे ब्राजीलियाई समर्थक स्टैंड में खड़े हो गए। हालाँकि, इटालियन ने एक बार फिर अपना हौसला बनाए रखा, टाई-ब्रेक के अंतिम चार अंक जीते और फोरहैंड रिटर्न विनर के साथ जीत पक्की की। क्वार्टर फाइनल में सिनर का अगला मुकाबला अमेरिकी लर्नर टीएन से होगा, क्योंकि 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दिन की शुरुआत में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए दो मैच प्वाइंट बचाए थे।

इंडियन वेल्स : ओसाका को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची सबालेंका

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, 'यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। मैं अपने परफॉर्मेंस से पक्का खुश हूं।' दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की, यह उनका टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ पहला मैच था। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

सिडनी। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयीं थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन-रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें। चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए सभी मैच खेलने का प्रयास करेंगी। वह हालांकि एकदिवसीय सीरीज के कुछ मुकाबले नहीं खेलहैं, क्योंकि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान टी20 मुकाबलों पर है। अगर सोफी कुछ मैच नहीं खेल पाती हैं तो एश्ले गार्डनर और टालिया मैक्ग्रा को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम से सिर्फ एक खिलाड़ी को बाहर किया गया है और वह हैं ग्रेस हैरिस। चयनकर्ताओं ने हालांकि कहा कि उनके लिए टीम के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और वह टी20 विश्व कप की दौड़ में अभी भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर बल्लेबाज टालिया विल्सन को भी बेथ मूनी की जगह पर के रूप में टीम में शामिली किया है। बेथ मूनी 21 मार्च को डब्लूयसीएनएल फाइनल खेलने के बाद टीम से जुड़ेंगी। वहीं टी20 सीरीज 19 मार्च से शुरू हो रही है। उम्मीद है कि मूनी तीसरे और अंतिम टी20 मैच में खेल सकती हैं।

नेमार ने वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर आशंका के बीच निकाला गुस्सा, कहा- करीबी लोगों ने किया निराश

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। नेमार ने मिरासोल के साथ सैंटोस के अवे मैच के लिए टीम से बाहर किए जाने पर गुस्सा जताया, जिससे इस साल के फीफा वर्ल्ड कप से पहले उनकी फिटनेस पर नए शक पैदा हो गए हैं। 34 साल के इस खिलाड़ी के मंगलवार रात के सीरी ए मैच में चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीद थी।

ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (CBF) ने पहले कहा था कि नेशनल टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी इस महीने के आखिर में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों के लिए अपनी टीम का नाम बताने से पहले नेमार का हालचाल जानने के लिए मैच में आएंगे। लेकिन इस फैसले से यह चिंता बढ़ गई कि क्या बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार जून और जुलाई में होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार होंगे।

नेमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'क्योंकि बहुत से लोग मेरे साथ जो हो रहा है, उसके बारे में थ्योरी बना रहे हैं, कुछ नहीं हो रहा है। अगर मैं चोटिल होकर खेलता हूं, जैसा कि उन्होंने पिछले साल कहा था, तो मैं गलत हूं। अगर मैं सिर्फ अपने बारे में सोचता हूं, तो मैं गलत हूं। अगर मैं खुद को रोकता हूं, तो मैं गलत हूँ। अगर मैं दर्द के साथ खेलता हूं या ऐसी किसी चीज के साथ जो इसे और खराब कर सकती है, तो मैं गलत हूं। यह मुश्किल है, है ना? इसे सही करना बहुत मुश्किल है, यार। बहुत मुश्किल, सबको खुश करना बहुत मुश्किल है।'

नेमार, जो 128 गेम में 79 गोल के साथ ब्राजील के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर हैं, ने कहा कि उन्हें अपने करीबी लोगों ने निराश किया है, लेकिन उन्होंने ज़्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी उन लोगों से होती है, असल में, यह मुझे हैरान नहीं करता, जो हर दिन मेरे साथ रहते हैं और कहानियां बनाना शुरू कर देते हैं, यह-वह कहते हैं जैसे कि यह बिल्कुल सच हो, जैसे कि वे ही सब कुछ जानते हों। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल है, हे भगवान। आप सभी को झेलने के लिए मुझे बहुत सब्र रखना होगा।'

दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद नेमार इस साल सैंटोस के लिए सिर्फ तीन मैच खेले हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के बाद से वह ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं, इस चोट की वजह से वह एक साल से ज़्यादा समय

तक बाहर रहे। एंसेलोटी ने कहा है कि वह अपनी वर्ल्ड कप टीम चुनते समय सिर्फ उन खिलाड़ियों पर विचार करेंगे जो अपने क्लब के लिए रेगुलर खेल रहे हैं।

मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप और वंशिका

मसूरी । भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव की शादी 14 मार्च को मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में होने वाली है। ये वही होटल है जिसमें कभी भारतीयों का प्रवेश भी वर्जित था। कुलदीप ब्रिटिश दौर में बने इस प्रतिष्ठित होटल में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। होटल कर्मचार भी स्टार खिलाड़ी की शादी के कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं। इस होटल का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। अब यही जगह एक भारतीय खिलाड़ी की शादी की मेजबानी करने जा रही है। साल 1902 में शुरू हुआ सेवॉय होटल मसूरी की पहचान माना जाता है। ब्रिटिश काल में यह होटल अंग्रेज अधिकारियों और यूरोपीय मेहमानों के लिए बनाया गया था। अंग्रेजों ने गर्मियों में मसूरी की खूबसूरत वादियों का आनंद उठाने के लिए इस होटल का निर्माण कराया था। उस समय भारतीयों को यहां ठहरने की अनुमति नहीं थी, लेकिन धीरे-धीरे यह होटल सभी के लिए खुला और समय के साथ देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित लोगों की मेजबानी करता रहा। गौरतलब है कि सेवॉय होटल अपनी भव्य वास्तुकला, पुराने ब्रिटिश दौर की झलक और ऐतिहासिक महत्व के कारण आज भी विशेष माना जाता है। अब इसी ऐतिहासिक होटल में कुलदीप यादव का विवाह समारोह आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर मसूरी में बेहद उत्साह का माहौल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्वद्धद्धद्गह्य ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुबई से लौटा नौसैनिक गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। यूपी एटीएस ने आगरा से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय नौसेना यानी नेवी में लांस नायक है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहा था। आरोपी ने आईएसआई एजेंट को देश के युद्धपोतों की तस्वीरें और डिटेल्स भेजी हैं। एटीएस ने आरोपी आदर्श कुमार उर्फ लकी को आगरा में उसके गांव कागारौल थाने के गांव चीतपुर से दबोचा है। उसकी 22 दिन पहले ही शादी हुई थी। वह हनीमून मनाने दुबई गया था। 3 दिन पहले ही वहां से लौटा था। लांस नायक ने अपने बैंक खाते से आईएसआई एजेंट को पैसे भी ट्रांसफर किए थे। इसकी पुष्टि उसके पास मिले दस्तावेजों से हुई है। लांस नायक आदर्श कुमार की तैनाती कोच्चि (केरल) में दक्षिणी नेवल कमांड में थी। एटीएस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि आदर्श पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई को भारत से जुड़ी अहम जानकारियां भेज रहा है। एटीएस ने लकी को उसके गांव से पकडक़र पूछताछ की। इसमें पुष्टि हुई कि उसने बेहद संवेदनशील सूचनाएं साझा की। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की भी जांच की गई, जिसमें उसके जासूस होने की पुष्टि हुई। एटीएस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगरा कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया। एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि कहीं इस जासूसी नेटवर्क में और लोग तो शामिल नहीं हैं।

आसाराम ने किया रामलला के दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका। राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा। मंदिर के सोने के दरवाजों और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियों सहित मंदिर की भव्यता को निहारा। करीब 30 मिनट तक राममंदिर में बिताने के लक्ष्मण किला वापस आ गया। अयोध्या के बाद उसका अगला पड़ाव क्या होगा, इसकी जानकारी देने से सेवादार बच रहे हैं।

नक्सलियों के डंप से सबसे बड़ी बरामदगी, 3.61 करोड़ कैश और एक किलो सोना मिला

जगदलपुर (एजेंसी)। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बुधवार को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 108 नक्सली कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 44 महिला और 64 पुरुष नक्सली शामिल हैं, जिन पर 3.29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जमा किए गए हथियारों और अन्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। अधिकारियों ने 101 घातक हथियार बरामद होने की जानकारी दी। इन हथियारों में एके 47, इंसास, एलएमजी और बीजीएल शामिल थे। नक्सल इतिहास में पहली बार 3.61 करोड़ रुपये नकद और 1.64 करोड़ रुपये मूल्य का एक किलो सोना बरामद किया गया। इसे अब तक के नक्सल विरोधी अभियानों में सबसे बड़ी डंप बरामदगी माना जा रहा है। यह सभी सामग्री बस्तर रेंज के विभिन्न जिलों से बरामद की गई थी। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर जिले शामिल हैं। बरामद किए गए सभी डंप और सामग्री को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शन जगदलपुर स्थित रेंज मुख्यालय में आयोजित आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह सामग्री अलग-अलग अभियानों में मिली थी। इसमें 101 घातक हथियार और बड़ी मात्रा में नकदी व सोना शामिल था।

युद्ध के बीच कतर में फंसे 1,000 भारतीयों की हुई सुरक्षित भारत वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और तनाव के बीच, कतर में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर राहत की खबर है। भारतीय दूतावास के प्रयासों और कतर एयरवेज के सहयोग से करीब एक हजार भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत लाया गया। दूतावास की तरफ से एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी दी। दूतावास ने कहा कि मंगलवार को कतर एयरवेज की उड़ानों से लगभग 1,000 भारतीय यात्री नई दिल्ली, मुंबई और कोच्चि पहुंचे। दूतावास ने 卐मानवीय आधार पर मामलों को प्राथमिकता देने卐 के लिए एयरलाइन को धन्यवाद दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कतर एयरवेज की एक उड़ान बुधवार को नई दिल्ली के लिए तय है। दूतावास ने कहा कि वह 96 घंटे की वैधता वाले अस्थायी पारगमन वीजा पर सलवा सीमा के रास्ते सऊदी अरब जाने वाले भारतीय नागरिकों की यात्रा को सुगम बनाना जारी रखे हुए है। दूतावास ने बताया कि कतर में फंसी भारतीय बास्केटबॉल टीम सऊदी अरब से उड़ान भरकर भारत पहुंची। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के कारण कई भारतीय नागरिक यात्रा संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे थे। भारतीय विदेश मंत्रालय और दूतावास की त्वरित सक्रियता ने यह तय किया है कि संकट में फंसे नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जाए। इस पहल से उन परिवारों ने बड़ी राहत की सांस ली है, जिनके परिजन वहां फंसे हुए थे।

गुरुग्राम में मिट्टी धंसने से हुई सात मजदूरों की मौत की जांच की मांग

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में मिट्टी धंसने से सात मजदूरों की मौत के मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग से मामले की जांच की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि गुरुग्राम के बिलासपुर थाना क्षेत्र के सिधरावली गांव में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए चल रही खुदाई के दौरान बेसमेंट में अचानक मिट्टी धंसने से हादसा हो गया था। इस दुर्घटना में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने आयोग को भेजी शिकायत में कहा है कि करीब 60 फीट गहरे बेसमेंट में मजदूर काम कर रहे थे, लेकिन निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण मजदूरों की जान गई है, जो मानव अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने आयोग से मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच करवाई जाए, हादसे के लिए जिम्मेदार बिल्डर, ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और मृतकों के स्वजन को उचित मुआवजा और घायल मजदूरों के समुचित उपचार की व्यवस्था तय की जाए।

केंद्रीय मंत्री का दावा बोले- घबराने की जरूरत नहीं है हमारे पास ईंधन के पर्याप्त और पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता के बावजूद, केंद्र सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत में ईंधन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संभावित सप्लाई बाधाओं को लेकर चिंताओं को दूर करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार मौजूदा अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। उन्होंने तिरुचिरापल्ली में मीडिया से बात करते हुए कहा कि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित विभाग लगातार वैश्विक घटनाक्रमों की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईंधन की बिल्कुल भी कमी नहीं है और स्थिति की बहुत बारीकी से निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर होटल और रेस्टोरेंट संचालकों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने स्वीकार किया कि युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, क्योंकि भारत अपनी तेल आवश्यकता का लगभग 80-90प्रतिशत हिस्सा मध्य पूर्व के देशों से आयात करता है। उन्होंने बताया कि इस संकट के समाधान के लिए पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से चर्चा की गई है और सरकार व्यवसायों पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सक्रिय है। साथ ही, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास भी तेज कर दिए गए हैं।

बाजार को स्थिर करने के लिए केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी उत्पादन को अधिकतम करें और प्रमुख हाइड्रोकार्बन को एलपीजी पूल की ओर मोड़ें। नई व्यवस्था के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस और वाहनों के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वहीं, औद्योगिक क्षेत्रों को उनकी औसत खपत का 80 पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और उर्वरक संयंत्रों को 70 पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता हिस्सा आवंटित किया जा रहा है। आपूर्ति संतुलन बनाए रखने के लिए रिफाइनरियों की गैस आपूर्ति में 35 प्रतिशत की कटौती की गई है। यह सुरक्षात्मक कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं जब होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के कारण लॉजिस्टिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। भारत का करीब 30 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात इसी मार्ग से होता है, जहां युद्ध के कारण जोखिम बढ़ गया है। हालांकि, जमीनी स्तर पर छोटे खाद्य व्यवसायी अभी भी कमर्शियल सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं। वैश्विक स्तर पर स्थिति इसलिए गंभीर है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। सरकार अब अल्पावधि की कमी को दूर करने के लिए वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश कर रही है ताकि ऊर्जा सुरक्षा अक्षुण्ण रहे।

524 गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक ले उड़े चोर, हाईवे किनारे खाली मिला ट्रक

-ट्रक मालिक ने रिपोर्ट कराई दर्ज, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

झांसी (एजेंसी)। यूपी के झांसी में इन दिनों इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर प्रत्यक्ष रूप से दिखने लगा है। यहां एलपीजी और पेट्रोलियम की कमी देखने को मिल रही है। एलपीजी गैस की भारी कमी के बीच झांसी से एक अजब गजब मामला सामने आया, जिसमें हाईवे के किनारे खड़ी एक ट्रक में रखे गए 524 गैस सिलेंडर चोरी हो गए, जिसकी खबर सामने आते ही सनसनी फैल गई। इस मामले को लेकर ट्रक मालिक ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपी का झांसी जिला 524 सिलेंडर गायब होने के चलते चर्चा में आ गया सिलेंडर की कुल कीमत करीग 18 लाख रुपए बताई जा रही है। सिलेंडर गायब होने के कुछ दिन बाद या ट्रक हाईवे के किनारे खाली मिला इस मामले को लेकर पुलिस तहकीकत कर रही है। अभी तक जो जानकारी सामने आई है उसमें यह ट्रक भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के करी प्लांट का बताया जा रहा है जो 2 मार्च को लिक्विड पेट्रोलियम गैस एलपीजी के 524 सिलेंडर लेकर कानपुर देहात जा रहा था। ट्रक ड्राइवर गाड़ी में सिलेंडर लगने के बाद त्यौहार मनाने होली पर घर चला गया। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने सिलेंडरों से भरा ट्रक ही चोरी कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक जब जीपीएस से लोकेशन को ट्रैक किया गया तब इसकी जानकारी लगी जीपीएस के लोकेशन पर ट्रक मालिक मौके पर पहुंचे तो पाया कि गाड़ी परीक्षा थर्मल पावर प्लांट के पास हाईवे के किनारे खड़ी थी, जिसमें से सभी सिलेंडर गायब थे वही चोरों ने ट्रक में लगे ट्रैकिंग डिवाइस को भी तोड़ दिया था, जिससे इसको ट्रैक करना मुश्किल हो गया था। वहीं सीसीटीवी के फुटेज और तकनीक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि इस घटना को लेकर जल्द ही बदमाशों की पहचान कर खुलासा कर दिया जाएगा। अजब गजब मामला तब हुआ है जब एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर चारों तरफ अपरा तफरी मची है।

आजम खां और उनके बेटे से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में अंतिम सुनवाई 16 को

रामपुर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के रामपुर में आजम खां और उनके बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान के खिलाफ दो पैन कार्ड मामले में चल रही अपील पर महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। अदालत ने अपीलकर्ता पक्ष को अपना पक्ष रखने का अंतिम अवसर देकर मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च तय की है।

यह मामला वर्ष 2019 में आकाश सक्सेना (भाजपा विधायक) की शिकायत पर रामपुर की सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आजम खां ने अपने बेटे अब्दुल्ला के लिए अलग-अलग जन्मतिथि के आधार पर दो पैन कार्ड बनवाए और उनका इस्तेमाल किया। पुलिस ने जांच पूरी कर पिता-पुत्र के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के बाद 17 अक्टूबर 2025 को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने आजम और अब्दुल्ला को दोषी ठहराते हुए सात-सात साल के कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ दोनों ने सेशन ट्रायल कोर्ट में अलग-अलग अपील दाखिल की थी और साथ ही जमानत याचिका भी दी थी। इन अपीलों पर संयुक्त रूप से सुनवाई चल रही है। पहले अपीलकर्ता पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें रखीं, जिसके बाद अभियोजन पक्ष ने अपनी बहस पूरी कर ली।

वहीं दूसरी ओर आजम खां के खिलाफ गवाह को धमकाने के एक अन्य मामले में मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। यह मामला मुहल्ला बेरियान निवासी नन्हे की शिकायत पर 17 अगस्त 2022 को शहर कोतवाली में दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि डूंगरपुर प्रकरण में गवाही देने से रोकने के लिए कुछ लोगों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने जांच के बाद आजम खां समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। यह मामला भी एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में विचाराधीन है, जिसमें आरोप तय हो चुके हैं और अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों की गवाही कराई जा रही है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी।

पीएम मोदी का कोई राज तो ट्रंप के पास है, जिसकी वजह से वह गुलाम बने हुए हैं

-केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। केजरीवाल ने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्हें ट्रंप का गुलाम तक बताया दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी का कोई राज ट्रंप के पास है जिसकी वजह से वह देश को बर्बाद कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने युद्ध में अमेरिका और इजराइल का पक्ष लिया और ईरान को दुश्मन बना लिया है, इसी वजह से यह संकट पैदा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एलपीजी संकट पर सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने गैस आपूर्ति में कमी के लिए पीएम मोदी को सीधे जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इससे एक करोड़ लोगों का रोजगार जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है। इसका कारण है कि देशभर में जितना उत्पादन होता है उसमें से 50 फीसदी कम हो गई है। 60 फीसदी गैस देश में आयात होता है और इसमें से 90 फीसदी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता था, जो युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि ईरान रूस और चीन जैसे दोस्तों को यहां से गुजरने की इजाजत दे रहा है, लेकिन भारत को नहीं।

केजरीवाल ने मुंबई, तमिलनाडु, दिल्ली-एनसीआर, बिहार, राजस्थान आदि का नाम लेते हुए कहा कि हजारों होटल बंद हो गए हैं और आने वाले दिनों और ज्यादा बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मोरबी में ही टाइल्स कारोबार से जुड़े एक लाख लोग बेरोजगार हो चुके हैं और देश में तुरंत एक करोड़ से ज्यादा लोगों को बेरोजगार होने की संभावना है। पूर्व सीएम ने कहा कि 75 साल से भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता की थी जिसे पीएम मोदी ने ध्वस्त कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले उन्हें इजराइल जाने की क्या जरूरत थी। उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है। वह ऐसा क्यों कर रहे हैं यह समझ से परे हैं। भारत हमेशा से गुटनिरपेक्षता का पक्षधर था। ईरान जो हमारा पुराना दोस्त था उसे हमने अपना दुश्मन बना लिया है।

केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे ये शब्द इस्तेमाल करने में बहुत शर्म महसूस हो रही है, प्रधानमंत्री जी ट्रंप के गुलाम बने हुए हैं। 140 करोड़ लोगों के महान देश को पीएम मोदी ने अमेरिका की कॉलोनी बना दिया है। अंग्रेजों ने इसलिए कब्जा कर लिया क्योंकि उस समय के राजा कमजोर थे, उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता था। उन्हें खरीदा जा सकता था। आज अमेरिका ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है, क्योंकि पीएम कमजोर हैं। उसको ब्लैकमेल किया जा रहा है। उसको क्यों

ब्लैकमेल किया जा रहा है। एक एक देशवासी का खून खौल रहा है जिस तरह अमेरिका के राष्ट्रपति से छोटे कर्मचारी तक हमारे प्रधानमंत्री का मजाक उड़ा रहे हैं। हमारा यही कसूर है कि हमारा प्रधानमंत्री कमजोर है।

केजरीवाल ने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि कॉटन ड्यूटी हटा लो पीएम मोदी ने कहा जी हुजूर। ट्रंप ने कहा कि रूस से तेल मत खरीदो- मोदी ने कहा जी हुजूर। इससे देश को 8 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सामान पर जीरो ड्यूटी होगी।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

मंदिर समिति ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

गंगोत्री धाम में प्रतिबंध

उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में भी गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्री गंगोत्री मंदिर समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। यह प्रतिबंध न केवल गंगोत्री धाम पर बल्कि मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू होगा। श्री गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि धाम में गैर-हिंदुओं का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध देवी के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू रहेगा। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड सरकार हरिद्वार के 120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 105 घाटों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। यह कदम कुछ संतों और गंगा सभा के अनुरोधों के जवाब में उठाया जा रहा है। राज्य सरकार कथित तौर पर हरिद्वार और ऋषिकेश दोनों को सनातन पवित्र शहर (पवित्र नगर) घोषित करने की योजना बना रही है।

गौ प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का शंखनाद: गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र की राजधानी लखनऊ में गौ प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का औपचारिक शंखनाद होने जा रहा है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विजय मुहूर्त में गौमय गणेश की पूजा-अर्चना और गौ प्रतिष्ठा ध्वज की स्थापना के साथ अपने इस बड़े आंदोलन का आगाज करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना और उनसे जुड़ी धार्मिक भावनाओं को संवैधानिक सम्मान दिलाना है।

जिला प्रशासन ने शहर की शांति व्यवस्था और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस सभा के लिए हरी झंडी तो दे दी है, लेकिन इसके साथ 26 सख्त शर्तें भी लागू की हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी धर्म, जाति या भाषा के विरुद्ध भड़काऊ भाषण देना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आयोजक बिना पूर्व अनुमति के कोई भी जुलूस या शोभा यात्रा नहीं निकाल सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है, जिसके

तहत रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा और ध्वनि का स्तर 75 डेसीबल से अधिक नहीं रखा जा सकेगा।

यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद हालिया विवादों के घेरे में हैं। उन पर गंभीर व्यक्तिगत आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, हालांकि वर्तमान में हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है। इस बीच स्वामी ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपने समर्थकों से आह्वान किया है कि जो लोग लखनऊ नहीं पहुंच सकते, वे दोपहर ढाई बजे ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपने घरों में शंखनाद करें। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि गौ माता के प्रति आस्था रखने वाले हर व्यक्ति का इस आंदोलन में स्वागत है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच आयोजन स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने यह शर्त भी रखी है कि पंडाल के भीतर सुरक्षा और पुलिस बल का खर्च आयोजकों को वहन करना होगा। किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में अनुमति तुरंत रद्द करने की चेतावनी दी गई है।

असम में आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के खातों में सीएम सरमा ने ट्रांसफर किए 9-9 हजार रुपए

-विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले बीजेपी ने कर दिया खेला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राज्य सरकार ने करीब 40 लाख आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के खातों में ओरुनोदोई योजना के तहत 9-9 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले इस योजना के तहत किया गया यह बड़ा भुगतान माना जा रहा है। सरकार की ओर से दी गई यह राशि चार महीने की अग्रिम सहायता के रूप में जारी की गई है। योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1250 रुपए दिए जाते हैं। इस बार जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल की किस्त अग्रिम दी गई है। इसके साथ ही सरकार ने महिलाओं को 4,000 रुपए का विशेष बिहू बोनस भी दिया है, जिससे कुल मिलाकर प्रत्येक लाभार्थी के खाते में 9,000 रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के करीब 3,800 गांव पंचायतों और स्वायत्त परिषद क्षेत्रों में आयोजित सभाओं से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि यदि बीजेपी को लगातार तीसरी बार जनादेश मिलता है तो राज्य में और बेहतर दिन आएंगे। सरमा ने कई नए वादे भी किए। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में दो लाख नौकरियां दी जाएंगी। साथ ही हर परिवार को हर महीने मुफ्त राशन के रूप में एक-एक किलो नमक, चीनी, दाल और सरसों का तेल और 500 ग्राम चाय भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाओं में आर्थिक सहायता बढ़ाई जाएगी और युवा उद्यमियों के लिए भी सहायता का दायरा बढ़ाया जाएगा।

विपक्ष की ओर से इस भुगतान को चुनाव से जोड़कर देखे जाने के आरोपों को खारिज करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि ओरुनोदोई योजना की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी और इसका चुनावी कैलेंडर से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि योजना में लाभार्थियों का चयन सात पात्रता मानदंडों के आधार पर किया जाता है। इनमें विधवा, दिव्यांग महिलाएं, कैंसर रोगियों के परिवार, तलाकशुदा महिलाएं और संकटग्रस्त परिवार शामिल हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि अगर यह चुनाव के लिए होता तो सभी को इसमें शामिल कर लिया जाता। यह मुफ्त की योजनाएं नहीं हैं। हम पिछले छह सालों से यह सहायता दे रहे हैं। हमारी चुनावी ताकत पीएम मोदी के नेतृत्व से आती है न कि इन योजनाओं से। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान' योजना के तहत अब तक 28.6 लाख महिला उद्यमियों को 10-10 हजार रुपए की शुरुआती पूंजी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के मॉडल को बिहार ने भी अपनाया और वहां विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत में यह एक अहम कारक माना गया है। बता दें पिछले कुछ चुनावों से तकरीबन हर राज्य में महिलाओं के लिए विशेष स्कीम लाई जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने पाकिस्तान में जारी किया सुरक्षा अलर्ट, धार्मिक जुलूसों में हिंसा भड़कने का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने सभी कर्मियों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में धार्मिक जुलूसों के दौरान हिंसा भड़क सकती है। इसके चलते मंगलवार दोपहर से सभी अमेरिकी कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी दूतावास लाहौर, कराची और पेशावर समेत सभी महावाणिज्य दूतावासों पर नजर रखे हुए है। धार्मिक जुलूसों के दौरान यातायात जाम और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अमेरिकी लोगों को पाकिस्तान में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

बहरीन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-कॉरप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में 'भ्रामक' वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है। ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने देशवासियों और विदेशी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे बिना अनुमति के वीडियो, तस्वीरें या जानकारी साझा न करें, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा या वर्तमान संघर्ष से संबंधित हों।

नेपाल में सियासी तस्वीर बदली, आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत; अगले हफ्ते बालेंद्र सरकार गठन की प्रक्रिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अब अगले सप्ताह के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। आरएसपी ने काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है, जिससे नेपाल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रत्यक्ष चुनाव की 165 में से 164 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें आरएसपी ने 125 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल की है। समानुपातिक प्रणाली के तहत मिलने वाली सीटों के बाद पार्टी की कुल संख्या 183 तक पहुंच जाएगी। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के बराबर है। इसके बाद अब संविधान के तहत नई सरकार के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार आरएसपी को मिले वोटों के आधार पर समानुपातिक प्रणाली से 58 सीटें मिलेंगी। इस तरह प्रतिनिधि सभा में उसके सांसदों की कुल संख्या 183 हो जाएगी। 275 सदस्यीय सदन में यह लगभग 66 प्रतिशत बहुमत है। इससे पार्टी को सरकार बनाने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लेने में भी मजबूती मिलेगी। चुनाव में अन्य प्रमुख दलों का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। नेपाली कांग्रेस को प्रत्यक्ष चुनाव से 18 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 19 सीटें मिलने की उम्मीद है। इस तरह उसके कुल सांसद 37 होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा एमाले को प्रत्यक्ष चुनाव से 8 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 16 सीटें मिलने की संभावना है। इससे उसके कुल सांसद 24 हो जाएंगे। वहीं प्रचंड की पार्टी को कुल 17 सीटें मिलने का अनुमान है। निर्वाचन आयोग का लक्ष्य अगले सप्ताह तक अंतिम चुनावी रिपोर्ट राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को सौंपने का है। संविधान के अनुसार रिपोर्ट मिलने के बाद नई सरकार के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा अंतिम परिणाम घोषित होने के एक महीने के भीतर संसद का सत्र बुलाना अनिवार्य है। नई सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री को एक महीने के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा।

यह युद्ध की तैयारी है...बहन बोली- कल्पना से परे होंगे नतीजे

अमेरिका की हरकतों से भड़के किम जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन अमेरिका की ताजा हरकतों से भड़के हुए हैं। उन्होंने पहले भी कई मौकों पर अमेरिका और अपने पड़ोसी दक्षिण कोरिया को चेतावनी दी है। ताजा मामला भी युद्ध अभ्यास से जुड़ा है जिसे किम जोंग उकसावे वाला कृत्य मान रहे हैं। किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने इस सप्ताह शुरू हुए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की है। किम यो जोंग ने इसे उकसाने वाला और आक्रामक युद्ध का पूर्वाभ्यास करार दिया है, जो क्षेत्रीय स्थिरता को भारी नुकसान पहुंचाएगा। इससे पहले नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने मिडिल ईस्ट (ईरान) में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की तीखी आलोचना की थी।

उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को किम यो जोंग ने अपने बयान में कहा कि 'फ्रीडम शील्ड' नामक यह वार्षिक सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया के प्रति इन सहयोगी देशों की आदतन शत्रुतापूर्ण नीति को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास में 18,000 से अधिक दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सैनिक शामिल हैं और यह उत्तर कोरिया के क्षेत्रीय भूभाग, समुद्र, हवा, बाहरी अंतरिक्ष और साइबरस्पेस में दिन-रात चलाया जा रहा है।

उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सैन्य शक्ति का यह प्रदर्शन ऐसे भयानक परिणामों को जन्म दे सकता है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि हालिया वैश्विक संकटों से यह स्पष्ट हो गया है कि शत्रु ताकतों के सैन्य युद्धाभ्यास में अब केवल 'अभ्यास' और 'वास्तविक युद्ध' या 'रक्षा' और 'हमले' के बीच कोई अंतर नहीं रह गया है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर 'युद्ध की तैयारी' बताया।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया का पक्ष

दूसरी ओर, अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि 9 मार्च से 19 मार्च तक चलने वाला यह सैन्य अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक प्रकृति का है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों के खतरे से निपटने के परिदृश्यों पर काम करना है। दोनों देशों के अधिकारियों के अनुसार, यह सैन्य अभ्यास अमेरिका से दक्षिण कोरिया को 'युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण' सौंपने की तैयारियों का भी एक हिस्सा है। दक्षिण कोरिया का लक्ष्य है कि राष्ट्रपति ली जे मायुंग के कार्यकाल के समाप्त होने (वर्ष 2030) से पहले सैन्य कमान का यह हस्तांतरण पूरा कर लिया जाए।

ईरान के हालात और परमाणु हथियारों पर जोर

विश्लेषकों का मानना है कि यह युद्धाभ्यास उत्तर कोरिया के लिए बेहद संवेदनशील समय पर हो रहा है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के नेतृत्व को निशाना बनाकर किए जा रहे ऑपरेशनों को देखते हुए, उत्तर कोरिया की अपने परमाणु हथियारों पर निर्भरता और भी पुख्ता हो सकती है। दक्षिण कोरिया के क्युंगनम विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ लिम इयूल-चुल के अनुसार किम यो जोंग का यह कहना कि 'आक्रामक शक्ति ही सबसे अच्छा बचाव है', इस बात को दर्शाता है कि वे ईरान जैसा हश्र नहीं झेलना चाहते। यह बयान देश और दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि परमाणु हथियार छोड़ने का मतलब उनके लिए तबाही होगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के साथ शुरू किया बड़ा सैन्य अभ्यास : पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिका ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें हजारों सैनिकों के हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का यह सैन्य अभ्यास फरवरी में उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी की कांग्रेस बैठक के ठीक बाद हो रहा है, जिसमें नेता किम जोंग उन ने खुले तौर पर घोषणा की थी कि वह अपने देश के परमाणु शस्त्रागार का और अधिक विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि लगभग 18,000 कोरियाई सैनिक इस 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जो 19 मार्च तक चलेगा। अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में इस अभ्यास में शामिल अपने सैनिकों की संख्या नहीं बतायी है। इन दोनों सहयोगी देशों का यह संयुक्त अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटा कर ईरान के खिलाफ लड़ाई में ले जा रहा है। 'यूएस फोर्सेज कोरिया' ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरक्षा कारणों से वह सैन्य संसाधनों की विशिष्ट गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करेगी।

अगर हमे खतरा हुआ तो दक्षिण कोरिया को मिटा देंगे: उत्तर कोरिया : उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगी देशों के संयुक्त अभ्यासों को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है और इसे अपने सैन्य प्रदर्शनों और हथियार परीक्षणों को बढ़ाने का बहाना बनाता रहा है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया का कहना है कि ये अभ्यास रक्षा उद्देश्य के लिए होते हैं। पिछले महीने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी थी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को 'पूरी तरह से मिटा' सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच वर्षों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है और उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है, जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मॉस्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम ने अपनी परमाणु-संपन्न सेना को मजबूत करने के लिए नयी हथियार प्रणालियों को विकसित करने का भी आह्वान किया।

ईरान का खतरनाक प्लान हुआ फेल ?: अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है।

अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था। बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं।

कथित ईरान के संदेश को लेकर किए जा रहे दावे कुछ इस प्रकार हैं-

यह संदेश एन्क्रिप्टेड था। मतलब, इसे केवल वे लोग पढ़ सकते हैं जिनके पास इसका कोड है।

संदेश कई देशों में भेजा गया। इसके लिए एक नया रेडियो स्टेशन का इस्तेमाल हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होता है।

अभी तक इस संदेश का पूरा मतलब नहीं पता चला है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

दावों पर अमेरिका ने क्या कहा? : खुफिया एजेंसियों के इन दावों के बाद अमेरिका ने सभी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे असामान्य रेडियो संकेतों और गतिविधियों पर नजर रखें।

ईरान जंग- पाकिस्तान में तेल महंगा, स्कूल बंद

मंत्रियों की सैलरी-विदेश दौरे रोके; सरकारी दफ्तर हफ्ते में 4 दिन खुलेंगे, कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बढ़ती तेल कीमतों को देखते हुए खर्चों में कटौती योजना का ऐलान किया है। इसके तहत सरकारी दफ्तर हफ्ते में सिर्फ चार दिन खुलेंगे और आधे कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इस हफ्ते के अंत से स्कूल दो हफ्तों के लिए बंद रहेंगे।

पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, मंत्रियों और सलाहकारों के विदेश दौरे रोक दिए गए हैं। मंत्री दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे और सांसदों की सैलरी में 25% की कटौती होगी। वहीं, पाकिस्तान में अब दो महीने तक सरकारी गाड़ियों को 50% कम ईंधन मिलेगा। 60% सरकारी वाहन नहीं चलेंगे। सभी सरकारी विभाग अपने खर्च में 20% कटौती करेंगे। शरीफ ने कहा कि अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमत

60 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। इस वजह से यह निर्णय लिए गए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी : पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है।

पेट्रोल पंपों पर भीड़ जमा हुई : कीमतों में बढ़ोतरी की खबर आने के बाद होते ही पाकिस्तान के बड़े शहरों जैसे लाहौर और कराची में पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लोगों को डर है कि आने वाले दिनों में कहीं तेल की किल्लत न हो जाए।

बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर लिमिट : बांग्लादेश सरकार को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लिमिट लागू करनी पड़ी है। ढाका सहित कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं और लोग डर के कारण ज्यादा तेल खरीदकर जमा करने की कोशिश कर रहे हैं। जमाखोरी और अफवाहों को रोकने के लिए बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) ने सख्त नियम लागू किए हैं। अब बाइक के लिए दिन में सिर्फ 2 लीटर पेट्रोल ही मिलेगा।

निजी कारों के लिए अधिकतम 10 लीटर की सीमा तय की गई है, जबकि बसों और ट्रकों के लिए 70 से 220 लीटर तक की लिमिट रखी गई है। हर पेट्रोल पंप पर रसीद देना जरूरी कर दिया गया है और पिछली खरीद की रसीद दिखाए बिना नया ईंधन नहीं मिलेगा। सरकार ने लोगों से घबराकर तेल जमा न करने की अपील की है।

अफगानिस्तान युद्ध के कारण आईएमएफ किस्त पर खतरा : पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर चल रहे युद्ध के कारण पाकिस्तान को मिलने वाली ढ्ढरूस्न फंडिंग की अगली किस्त खतरे में पड़ गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई है। आईएमएफ की एक टीम इस समय पाकिस्तान के दौरे पर है और वह देश की अर्थव्यवस्था की तीसरी समीक्षा कर रही है।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे हिंदुओं पर हमले, दो की हत्या

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग जिलों में दो हिंदुओं की हत्या और एक मंदिर पर बम हमला होने से हालात को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। मानवाधिकार संगठनों ने इन घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया राजनीतिक बदलाव के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं।

हाल के दिनों में हुई घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एक ओर हत्या की घटनाएं सामने आई हैं तो दूसरी ओर मंदिर में बम फेंककर धार्मिक

माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्या बोगुरा में कोचिंग संचालक की हत्या से बढ़ी चिंता? : 6 मार्च की रात बांग्लादेश के बोगुरा जिले में 40 वर्षीय चायोन राजभर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। चायोन राजभर एक कोचिंग सेंटर चलाते थे और स्थानीय स्तर पर शिक्षा से जुड़े कामों के कारण जाने जाते थे। बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला किया और मौके से फरार हो गए। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

क्या कॉक्स बाजार में रंगदारी के विरोध की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी? : 7 मार्च को कॉक्स बाजार जिले में 29 वर्षीय गणेश पाल की हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक उनसे रंगदारी मांगी जा रही थी और उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें मार डाला। इससे पहले भी चटगांव में रंगदारी का विरोध करने पर आकाश दास की हत्या कर दी गई थी। इसी क्षेत्र के चंदनैश उपजिला के बदुरपारा में 70 वर्षीय चंदन दे को मवेशी चोरी रोकने के कारण मार दिया गया था।

क्या मंदिर में बम हमले से धार्मिक तनाव बढ़ा? : 8 मार्च की शाम कुमिला शहर के कालीगाछ ताला काली मंदिर में पूजा के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने देसी बम फेंक दिए। इस हमले में पुजारी केशब चक्रवर्ती समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। कुमिला के पुलिस अधीक्षक एमडी अनीसुज्जमां ने मौके का दौरा कर जांच के आदेश दिए हैं।

अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिकों को कानून का पालन करना होगा या देश छोड़ना होगा : हरमीत ढिल्लों

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लों ने सोमवार को कहा कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों जिनमें कॉलेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्र भी शामिल हैं, को अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा। ऐसा न करने वाले देश में रहने का अधिकार खो सकते हैं।

अमेरिका की सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लों ने कहा कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों खासकर कॉलेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्रों को अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा, अन्यथा उन्हें देश छोड़ना पड़ सकता है। द ब्रीफ को दिए एक साक्षात्कार में ढिल्लों ने कहा कि यदि आगंतुक कानून का उल्लंघन करते हैं या विश्वविद्यालय परिसरों में अव्यवस्था फैलाते हैं तो अधिकारियों को सख्त नियम लागू करने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अमेरिका में आने वाले आगंतुकों को कानून का पालन करना होगा, खासकर कॉलेज परिसरों में, वरना उन्हें यहां से जाना होगा।' सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि न्याय विभाग छात्रों के खिलाफ हिंसा या नफरत को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा और उनके नागरिक अधिकारों की रक्षा करेगा। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में चल रहे तनाव के बीच आई है। ये तनाव 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हुए हमलों और उसके बाद शुरू हुए मध्य-पूर्व संघर्ष से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद बढ़े हैं।

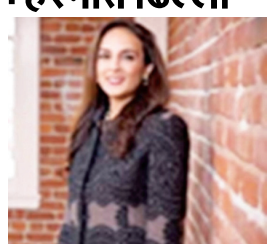

ढिल्लों ने अमेरिकी परिसरों में हुई अशांति का जिक्र करते हुए कहा कि कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में

यहूदी-विरोध (एंटीसेमिटिज़्म) और उग्र विरोध प्रदर्शनों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा, 'आज हमारे आइवी लीग संस्थानों में भी एंटीसेमिटिज़्म और 7 अक्टूबर 2023 से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण काफी अशांति देखने को मिल रही है।' जब आगंतुक कानून तोड़ते हैं तो अधिकारियों को शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर आप इस देश में मेहमान हैं तो आपको हमारे कानून तोड़ने या हमारे परिसरों में अव्यवस्था फैलाने का अधिकार नहीं है। ढिल्लों ने जोर दिया कि अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिक मेहमान की तरह आते हैं और उन्हें देश के कानूनी ढांचे का सम्मान करना चाहिए। 'आप मेहमान हैं, आगंतुक हैं। आप यहां आकर घर के सोफे पर पैर फैलाकर यह उम्मीद नहीं कर सकते कि आपका गर्मजोशी से स्वागत होगा।'

अमेरिका को, अन्य देशों की तरह, अपने कानून लागू करने और यह तय करने का अधिकार है कि कौन देश में रह सकता है। ढिल्लों ने कहा, 'यह बिल्कुल उचित है कि हमारा देश, जैसे अन्य देश करते हैं, अपनी सीमाओं की निगरानी करे और कहे कि अगर आप हमारे कानूनों का पालन नहीं करेंगे, तो आपको यहां से जाना होगा।'

ट्रम्प ने ईरान जंग पर पुतिन से बात की, कहा- रूस लड़ाई खत्म करने में मदद करना चाहता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ईरान जंग और यूक्रेन के हालात पर 1 घंटे फोन पर बात की। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन ने कहा है कि रूस, ईरान जंग खत्म कराने में मदद करना चाहता है। हालांकि ट्रम्प ने उनसे कहा कि अगर वे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करें तो वो ज्यादा बेहतर होगा। फ्लोरिडा में मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी और पुतिन की पहली बातचीत थी। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा हुआ है। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि पिछले 10 दिन में अमेरिका ने 51 ईरानी जहाज डुबो दिए हैं और हजारों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

करीब एक घंटे चली बातचीत : क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार

ड्ढह्वद्द ह्यद्धड्डद्मश्1 ने बताया कि यह फोन कॉल वॉशिंगटन की पहल पर हुआ और लगभग एक घंटे तक चला। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच विचारों का 'विशेष और उपयोगी आदान-प्रदान' हुआ। बातचीत के दौरान पुतिन ने मध्य-पूर्व में चल रहे सशस्त्र संघर्ष को खत्म करने के लिए तेज राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के कुछ सुझाव रखे।

खाड़ी देशों और ईरान से बातचीत के बाद दिए सुझाव : उशाकोव के अनुसार, पुतिन ने ये प्रस्ताव खाड़ी देशों के नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति से हुई अपनी हाल की बातचीत के आधार पर तैयार किए थे। इन प्रस्तावों का उद्देश्य था कि अमेरिका-इज़राइल गठबंधन और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को जल्द से जल्द राजनीतिक समाधान के जरिए समाप्त किया जाए।

ट्रंप ने भी दी स्थिति की अपनी जानकारी : फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने भी युद्ध की मौजूदा स्थिति पर अपनी राय रखी। उन्होंने यह जानकारी उस संदर्भ में दी जब अमेरिका और ढ्ढह्यह्म्ड्डद्गद्य मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहे हैं। गौरतलब है कि इस युद्ध में ईरान को भारी नुकसान हुआ है और वह रूस का एक महत्वपूर्ण सहयोगी माना जाता है।

यूक्रेन युद्ध पर भी हुई चर्चा : इस बातचीत में यूक्रेन से जुड़े संघर्ष का मुद्दा भी उठाया गया। उशाकोव के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन से जुड़े हालात और इस मुद्दे पर चल रही अमेरिका-रूस वार्ताओं पर भी चर्चा की। पुतिन ने फोन कॉल के दौरान बताया कि रूसी सेना युद्ध क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और कई जगह सफलता हासिल कर रही है।

पिछली बार दिसंबर में हुई थी बातचीत : यह बातचीत दिसंबर के बाद पहली बार हुई जब ट्रंप और पुतिन ने सीधे संपर्क किया। दोनों नेताओं की पिछली बड़ी मुलाकात पिछले साल अगस्त में अलास्का में आयोजित एक शिखर सम्मेलन में हुई थी।

तेल बाजार और वेनेजुएला पर भी चर्चा

कॉल के दौरान वेनेजुएलाऔर वैश्विक तेल बाजार की स्थिति पर भी बात हुई। यह चर्चा खासतौर पर दुनिया में तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के संदर्भ में हुई।

बातचीत का माहौल 'खुला और व्यावसायिक' : क्रेमलिन के अनुसार, पूरी बातचीत का माहौल 'खुला, स्पष्ट और व्यावसायिक' था। दोनों नेताओं ने कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने-अपने विचार साझा किए और आगे भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की एथर कंपनी के वेयरहाउस में विस्फोट के भीषण आग

केमिकल के ड्रम एक के बाद एक फटने से आग और भी विकराल

दो मंजिला इमारत ढही, 4 घंटे बाद आग पर काबू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन होजीवाला क्षेत्र में स्थित एथर कंपनी के वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद अंदर से लगातार विस्फोट जैसी आवाजें सुनाई दे रही थीं। केमिकल के ड्रम एक के बाद एक फटने से आग और भी विकराल हो गई, जिससे आसपास रखा सामान भी आग की चपेट में आ गया।

केमिकल में आग लगने के कारण सभी फायर ऑफिसर ऑक्सीजन मास्क पहनकर आग बुझाने की कार्रवाई कर रहे थे। आसपास मौजूद लोगों ने आंखों में जलन और गले में जलन की शिकायत भी की। करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन कूलिंग की प्रक्रिया कई घंटों तक जारी था। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2023 में भी सचिन GIDC स्थित एथर कंपनी में आग लगी थी, जिसमें 10 से अधिक मजदूरों की मौत हो गई थी।

गीता टिम्बर प्लायवुड पूरी तरह जलकर राख

केमिकल ड्रम में ब्लास्ट के कारण दो मंजिला इमारत भी ढह गई। आसपास मौजूद टिन शेड वाले वेयरहाउस भी आग की चपेट में आ गए। धमाकों के कारण आसपास की इमारतों के कांच टूट गए और सामान जलकर राख हो गया।

एथर कंपनी के वेयरहाउस में लगी आग के बाद हुए धमाकों से बगल में स्थित श्री गीता टिम्बर प्लायवुड और शक्ति प्लायवुड कंपनी में भी आग फैल गई। श्री गीता टिम्बर प्लायवुड पूरी तरह जलकर राख हो गया।

पुलिस ने 1 किलोमीटर तक का इलाका किया सील

डीसीपी राजेश परमार ने बताया कि

एथर कंपनी के वेयरहाउस में आग लगी है। पुलिस ने करीब 1 किलोमीटर तक का क्षेत्र कॉर्डन कर दिया है और फायर ब्रिगेड आग बुझाने का काम कर रही है। जांच में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

कंपनी में 30 से ज्यादा धमाके

सचिन होजीवाला कंपाउंड में स्थित इस केमिकल कंपनी में आग लगने के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग के कारण कंपनी में एक के बाद एक 30 से ज्यादा विस्फोट होने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया।

आग इतनी भयानक थी कि दिल की धड़कन तेज हो गई। केमिकल के ड्रम इतनी जोर से फटे कि सड़क तक आग फैल गई। करीब 1 बजे के आसपास स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी। हमारा पास में लकड़ी का काम है, इसलिए हमें डर था कि कहीं आग हमारे यूनिट तक न पहुंच जाए। लेकिन फायर ब्रिगेड समय पर आ गई, जिससे आग वहां तक नहीं पहुंची।

5 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था धुआं

आग विकराल होने के कारण अन्य फायर स्टेशनों से भी मदद बुलाई गई। फायर विभाग के अनुसार आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन पूरी तरह काबू पाने में काफी समय लगा। आग के कारण गोदाम में रखे माल को भारी नुकसान होने की आशंका है। आग का धुआं लगभग 5 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। राहत की बात यह है कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि एथर कंपनी सहित करीब चार उद्योगों में आग लग गई थी।

फायर ऑफिसर जयदीप इसरानी ने बताया कि सचिन होजीवाला कंपाउंड में आग लगी थी। आसपास के चार औद्योगिक प्रतिष्ठानों - मिल, इंडस्ट्री, यार्न गोदाम और लकड़ी की मिल - में आग फैल गई थी। यार्न गोदाम और लकड़ी की दो मिलों में आग पर काबू पा लिया गया है, उन्होंने बताया कि वहां बॉयलर और सिलेंडरों में बड़े विस्फोट हुए थे, जिन्हें नियंत्रित करने की कार्रवाई की गई। बॉयलर ब्लास्ट के कारण कंपनी का एक बड़ा हिस्सा ढह गया।

20 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही सूरत फायर विभाग की 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। फायर फाइटरों ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। फिलहाल आग पर नियंत्रण पा लिया गया है.

सचिन के वांज गांव में सुडा की बड़ी कार्रवाई, पुलिस सुरक्षा में अवैध निर्माण पर चला हथोड़ा

गर्भवती महिला को धूप में बाहर निकालने के आरोप,स्थानीय लोगों ने उठाए प्रशासन पर सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरतः सूरत शहरी विकास सत्ता मंडल (सुडा) द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सचिन क्षेत्र के वांज ग्राम

पंचायत में पुलिस सुरक्षा के साथ डिमोलिशन की कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि विभाग द्वारा पहले ही अवैध निर्माण को लेकर नोटिस जारी की गई थी, जिसके बाद 11 मार्च 2026 को यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान सुडा और ग्राम पंचायत के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस सुरक्षा के बीच अवैध निर्माणाधीन मकानों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।

हालांकि, इस दौरान स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। आरोप है कि कार्रवाई के समय पुलिस द्वारा एक गर्भवती महिला को कमरे से बाहर निकाल दिया गया, जिससे उसे तेज धूप में खड़ा रहना पड़ा। इस घटना को लेकर आसपास के लोगों में नाराजगी देखी गई और लोगों ने प्रशासन से जवाब भी मांगा। लेकिन मौके पर

मौजूद अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि कुछ मामलों में पैसे के लेन-देन के बावजूद विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है, जिसे लेकर लोगों ने विरोध जताया।

विरोध बढ़ने पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली और लोगों को शांत रहने की अपील की। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों को सलाह दी कि यदि उन्हें कार्रवाई पर आपत्ति है तो वे कानूनी प्रक्रिया के तहत कोर्ट में अपनी बात रख सकते हैं।